जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 40 दिनांक: 21-01-2022 शुक्रवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव (नेताजी) के साढ़ू पूर्व विधायक प्रमोद गुप्ता भाजपा में शामिल हो गए। लखनऊ में उनके साथ कांग्रेस की पोस्टर गर्ल डा. प्रियंका मौर्या ने भी भाजपा की सदस्यता ली।

भारत में उड़ीसा के चांदीपुर से सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रुज मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इस बार जो परीक्षण किया गया है उससे ये मिसाइल तकनीकी तौर पर और अधिक मजबूत और कारगर साबित हुई है।

कोरोना की तीसरी लहर बेकाबू, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़ी

-234 दिनों बाद देश में एक दिन में संक्रमण के नये केस तीन लाख के पार

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश में कोरोना की तीसरी लहर का कहर बढ़ता ही जा रहा है और 234 दिनों बाद देश में एक दिन में संक्रमण के नये मामले तीन लाख को पार कर गये हैं। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 3,17,532 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,82,18,773 हो गई है। इससे पहले देश में पिछले साल 15 मई को 3,11,170 दैनिक मामले सामने आए थे।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण के कुल मामलों में कोरोना के 'ओमीक्रोन' स्वरूप के 9,287 मामले भी शामिल हैं। इस समय देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 19,24,051 हो गई है, जो कुल मामलों का 5.03 प्रतिशत है।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 93,051 की वृद्धि दर्ज की गयी। वहीं, 491 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,87,693 हो गई। देश में मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर घटकर 93.09 प्रतिशत हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि देश में बुधवार से 'ओमीक्रोन' के मामलों में 3.63 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, हरेक संक्रमित के नमूनों का जीनोम अनुक्रमण मुमकिन नहीं है, लेकिन इस मौजूदा लहर में अधिकतर मामले 'ओमीक्रोन' के ही हैं। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से मौत के 491 मामले सामने आए। इनमें से केरल में 134 और महाराष्ट्र में 49 मामले सामने आए।

इस बीच, देश में अब तक कोविड-19 रोधी टीके की 160 करोड़ से ज्यादा खुराक दी जा चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मियों और 60 वर्ष तथा उससे अधिक आयु के लोगों को अब तक 61 लाख से अधिक एहतियाती खुराक दी गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 15 से 18 साल के किशोरों को अब तक कुल 4 करोड़ के आसपास खुराक दी गई हैं। पिछले साल 16 जनवरी को देश में स्वास्थ्यकर्मियों को टीके दिए जाने के साथ टीकाकरण की शुरुआत हुई थी। इसके बाद दो फरवरी 2021 से अग्रिम मोर्चे के कर्मियों का टीकाकरण शुरू किया गया। बाद के चरणों में अन्य समूहों को टीका देने की शुरुआत की गई। इस साल तीन जनवरी को 15-18 वर्ष के किशोरों को टीका देने का अभियान शुरू हुआ। अब माना जा रहा है कि मार्च महीने से 12 से 14 वर्ष उम्र के बच्चों के टीकाकरण की शुरुआत भी हो जायेगी। अब एक ओर तो यह अध्ययन सामने आया है कि जिन्होंने टीके की खुराक नहीं ली या दोनों खुराक नहीं ली उन्हें ही तीसरी लहर में ज्यादा परेशानी हुई है इसलिए सभी को टीका लगवाना जरूरी है। लेकिन अब भी कुछ लोग हैं जो टीका नहीं लगवाना चाहते और यदि टीका लगवाने के लिए स्वास्थ्यकर्मी आयें तो उनके साथ बदसलूकी करते हैं। उत्तर प्रदेश के बलिया से जो खबर आई है उसके मुताबिक एक नाविक ने टीका लगवाने आये स्वास्थ्यकर्मी के साथ बुरा बर्ताव किया और उसके साथ मारपीट भी की। यही नहीं ऐसे ही एक अन्य मामले में टीका लगवाने से इंकार करने वाला युवक स्वास्थ्यकर्मी को देखकर पेड़ पर चढ़ गया। वहीं झारखंड में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,617 नए मामले सामने आये हैं तथा 12 और लोगों की मौत हो गयी है। लेकिन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि कोरोना की स्थिति राज्य में नियंत्रण में है। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में चौबीस घंटों में संक्रमण के 2,617 नए मामले सामने आए, जिनमें से 809 अकेले रांची में और 525 जमशेदपुर में सामने आये। उन्होंने बताया कि इसके अलावा बोकारो एवं धनबाद में 135-135 मामले सामने आए। मंत्रालय ने बताया कि कि राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 3,769 लोग संक्रमण से मुक्त भी हुए हैं। राज्य में बुधवार को संक्रमण से 12 लोगों की मौत हुई। राज्य में कोरोना वायरस से मरने वालों की कुल संख्या 5,225 हो गयी है।

डिजिटल प्लेटफार्म पर यूपी के सभी नेताओं पर भारी सीएम योगी, दूसरे नंबर अखिलेश

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनान की घोषणा होते ही प्रदेश में चुनावी युद्ध शुरू हो गया है।लड़ाई में डिजिटल प्लेटफार्म को भी बड़ा योगदान है।इसमें जिसके जितने सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स देखे जा रहे हैं,उस उतना ही प्रभावी नेता भी माना जा रहा है।कंसल्टेंसी फर्म ने यूपी के जिन प्रसिद्ध नेताओं की रैंकिंग जारी की है उनमें यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ का नाम सबसे आगे है।मामले में अखिलेश यादव उनसे पीछे हैं। यूपी में मुख्यमंत्री योगी ट्विटर पर फॉलो किए जाने वाले उत्तरप्रदेश के नेताओं में सबसे आगे हैं। करीब 1.70 करोड़ से अधिक फॉलोअर्स के साथ उनकी लोकप्रियता सबसे ज्यादा है।

सपा का बड़ा ऐलान मैनपुरी की करहल सीट से चुनाव लड़ेंगे अखिलेश यादव

गोरखपुर (ईएमेएस)। सीएम योगी के गोरखपुर शहर से चुनाव लड़ने के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी विधानसभा चुनाव में कूदने का फैसला कर लिया है। गुरुवार को समाजवादी पार्टी ने भी इस पर मुहर लगा दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अखिलेश यादव मैनपुरी की करहल सीट से चुनाव लड़ेंगे। हालांकि इससे पहले अखिलेश के आजमगढ़ और संभल की सीटों से चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन गुरुवार को अखिलेश के चुनाव लड़ने को लेकर सपा ने स्थिति को साफ कर दिया है। आपको बता दें कि मैनपुरी सपा का गढ़ माना जाता है। इस समय मैनपुरी से मुलायम सिंह यादव सांसद हैं। मैनपुरी के अलावा इटावा, फर्रुखाबाद, सैफई भी सपा का घर माना जाता है। योगी आदित्यनाथ की राह पर निकले अखिलेश यादव और चाचा शिवपाल सिंह यादव भी यूपी के चुनावी रण में कूदने जा रहे हैं। हालांकि शिवपाल यादव किस सीट से चुनाव लड़ेंगे इसको लेकर अभी स्थिति साफ नहीं हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रगतिशील पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव जसवंतनगर सीट से मैदान में उतर सकते हैं। बता दें कि गोरखपुर से योगी आदित्यनाथ के चुनाव लड़ने की खबर के बाद सपा में भी अखिलेश यादव के चुनाव लड़ने को लेकर हलचल शुरू हो गई थी। गुरुवार दोपहर तक समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव कहां से चुनाव लड़ेंगे इसको लेकर उहा-पोह की स्थिति बनी हुई थी। भाजपा नेतृत्व योगी आदित्यनाथ को गोरखपुर और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को कौशांबी की सिराथू विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाने का ऐलान कर चुका है। इसके चलते अखिलेश यादव पर चुनाव लड़ने का दबाव बन रहा था। अखिलेश यादव मौजूदा समय में आजमगढ़ के सांसद हैं। अखिलेश ने अभी तक विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ा है। वर्ष 2012 में मुख्यमंत्री बनने के बाद वह विधानसभा परिषद सदस्य के बने थे। बुधवार को अखिलेश के गोपालपुर या मैनपुरी से चुनाव लड़ने की चर्चाएं शुरू हुईं थीं। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में स्थिति साफ करते हुए कहा कि अभी तय नहीं है कि वह कहां से चुनाव लड़ेंगे, लेकिन यह साफ है कि चुनाव लड़ने से पहले वह आजमगढ़ की जनता से जरूर पूछेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि वह चाहते हैं कि योगी आदित्यनाथ से पहले वह चुनाव लड़े। योगी आदित्यनाथ गोरखपुर विधानसभा से चुनाव लड़ रहे हैं वहां पर छठे चरण में 3 मार्च को मतदान होना है। गोपालपुर में सातवें चरण में 7 मार्च को मतदान होगा और मैनपुरी में तीसरे चरण में 20 फरवरी को मतदान होना है।

महाराष्ट्र में 24 जनवरी से खुलेंगे कक्षा 1 से 12वीं तक के स्कूल

नई दिल्ली (ईएमएस)। महाराष्ट्र में कोरोना के मामलों में बढ़ोत्तरी के बावजूद राज्य सरकार ने स्कूलों को फिर से खोलने का फैसला किया है। महाराष्ट्र की स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने गुरुवार को ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य में कक्षा एक से लेकर 12वीं तक के स्कूल 24 जनवरी से फिर से खुलेंगे। मंत्री ने बताया कि उनके इस प्रस्ताव पर महाराष्ट्र सीएम ने भी सहमति जताई है। हालांकि, सरकार ने शहरों में स्थानीय नगर निकायों और जिलों में प्रशासन को कोविड-19 की स्थिति के आधार पर ऑफलाइन कक्षाओं को फिर से खोलने पर निर्णय लेने का अधिकार दिया है। वर्षा गायकवाड़ ने कहा 24 (जनवरी) से हम कक्षा 1-12वीं के स्कूलों को कोविड प्रोटोकॉल के साथ फिर से खोलेंगे; सीएम ने हमारे प्रस्ताव पर सहमति जताई है।ठ उन्होंने कहा, ठहमने 24 जनवरी से ही प्री-प्राइमरी स्कूल खोलने का भी फैसला किया है।ठ स्कूल शिक्षा विभाग ने 24 जनवरी से स्कूलों को ऑफलाइन कक्षाओं के लिए फिर से खोलने का प्रस्ताव दिया था, जिसे मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा गया था। स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि स्कूलों को फिर से खोलने के लिए विभाग को विभिन्न हितधारकों से कई आवेदन प्राप्त हुए हैं, और विभाग ने बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री ने कक्षा 1 से 12 के लिए ऑफलाइन स्कूलों को फिर से खोलने की सहमति दी। अब तक, प्री-प्राइमरी स्कूल भी बंद थे। लेकिन हमने प्री-प्राइमरी स्कूलों को भी फिर से खोलने का फैसला किया है। जहां भी कोविड के मामले कम हुए हैं, वहां 24 जनवरी से फिर स्कूल खोलेंगे। हालांकि, कोविड-उपयुक्त व्यवहार, सरकार द्वारा जारी एसओपी का पालन स्कूलों द्वारा किया जाना चाहिए।ठ मंत्री ने आगे कहा, ठहम स्कूलों को फिर से खोलने की बात नहीं कर रहे हैं। स्थानीय निकायों को शहर या जिले में कोविड-19 स्थिति के आधार पर निर्णय लेने का अधिकार है।ठ यानी स्थानीय प्रशासन तय करेगा कि उनके इलाके में स्कूल खोले जाएं या नहीं। गौरतलब है कि स्कूलों और कॉलेजों में ऑफलाइन कक्षाएं दिसंबर में फिर से शुरू हो गई थीं क्योंकि कोविड-19 मामले कम हो रहे थे। हालांकि, जनवरी में कोरोना वायरस संक्रमण में वृद्धि के साथ, राज्य सरकार ने ऑफलाइन कक्षाओं को बंद रखने का फैसला किया। राज्य के कुछ हिस्सों में तीसरी लहर के कम होने के शुरुआती संकेतों के अलावा, विभिन्न जगहों से स्कूलों को फिर से खोलने के बढ़ते दबाव को देखते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय ने मंजूरी दे दी है। शिक्षा मंत्री ने कहा, ठहमें स्कूलों को फिर से खोलने के लिए माता-पिता संघों, स्कूलों, निर्वाचित प्रतिनिधियों आदि से कई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। उन सभी ने तर्क दिया कि बच्चे सामाजिक वातावरण, स्कूल के माहौल, बातचीत आदि से गायब हैं। हमारी प्राथमिकता हमेशा बच्चों की सुरक्षा रही है। लेकिन जैसे-जैसे कोविड के मामले कम हो रहे हैं, हमने स्कूलों को फिर से खोलने का फैसला किया है, और इस पर निर्णय लेने का अधिकार स्थानीय नगर निकायों के पास रहेगा। बता दें कि महाराष्ट्र में स्कूल खोलने का फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब राज्य में कोरोना के मामले बुधवार को पिछले दिन के मुकाबले 4 हजार ज्यादा आए। महाराष्ट्र में बुधवार को 43,697 नए मामले दर्ज किए गए जो पिछले दिन से 4 हजार ज्यादा थे। मंगलवार को 39,207 मामले आए थे। बुधवार को जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक, इस दौरान 49 लोगों की मौत हुई, जिससे कुल मृत्यु संख्या 1,41,934 हो गई। साथ ही, पिछले 24 घंटों में वायरल बीमारी से 46,951 लोग ठीक हुए, जिससे कुल ठीक होने वालों की संख्या 69,15,407 हो गई। राज्य ने कोरोना वायरस के तेजी से फैलने वाले ओमिक्रॉन वैरिएंट के 214 नए मामले दर्ज किए, जिससे कुल संख्या 2,074 हो गई है। इनमें से 1,091 रोगियों को नेगेटिव आरटी-पीसीआर टेस्ट के बाद छुट्टी दे दी गई है।

एअर इंडिया ने बोइंग बी777 विमानों से भारत-अमेरिका की छह उड़ानें शुरु की

नई दिल्ली (ईएमएस)। एअर इंडिया ने कहा है कि उसने गुरुवार को बोइंग बी777 विमानों से भारत-अमेरिका की छह उड़ानें फिर से शुरू की हैं। एयरलाइन ने कहा कि विमान निर्माता ने इन विमानों का परिचालन करने की मंजूरी दे दी है, इसकारण यह कदम उठाया गया है। एअर इंडिया ने उत्तरी अमेरिका में 5जी इंटरनेट के कारण बुधवार को भारत-अमेरिका के बीच आठ उड़ानें रद्द कर दी थीं, क्योंकि 5जी इंटरनेट विमान के रेडियो अल्टीमीटर में हस्तक्षेप कर सकता है। अमेरिकी विमानन नियामक संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने नए निर्देश में कहा कि बी777 सहित कुछ खास तरह के विमानों में लगे रेडियो अल्टीमीटर 5जी सेवाओं से प्रभावित नहीं होने वाले है। इसके बाद, बोइंग ने बी777 विमानों से अमेरिका के लिए उड़ानों का परिचालन करने की मंजूरी दे दी है।

पहली उड़ान गुरुवार की सुबह जेएफके (न्यूयॉर्क) के लिए रवाना हुई। दिन में जाने वाली अन्य उड़ानें शिकागो और एसएफओ (सैन फ्रांसिस्को) के लिए हैं। फंसे हुए यात्रियों को लाने-ले जाने की व्यवस्था की जा रही है। बी777 से अमेरिका जाने वाली उड़ानों का मसला सुलझा लिया गया है।एअर इंडिया की जिन उड़ानों ने बृहस्पतिवार को परिचालन फिर से शुरू किया गया है,उसमें दिल्ली-न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क-दिल्ली, दिल्ली-शिकागो, शिकागो-दिल्ली, दिल्ली- सैन फ्रांसिस्को और सैन फ्रांसिस्को-दिल्ली शामिल हैं। इन छह उड़ानों के साथ, दो अन्य उड़ानें - मुंबई-नेवार्क और नेवार्क-मुंबई - को एअर इंडिया ने बुधवार को रद्द कर दिया था। बोइंग ने इस विषय पर बयान के लिए पीटीआई-भाषा के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। रोडियो अल्टीमीटर विमान की जमीन से ऊंचाई को मापता है। इससे विमान कम दृश्यता में भी उतर सकता है। जिस फ्रीक्वैंसी बैंड पर अल्टीमीटर काम करता है वह 5जी की कार्यप्रणाली के करीब है।

चुनाव से पहले ही मुस्लिम और जाट गठजोड़ में दरार उम्मीदवारों पर रार

मुजफ्फरनगर (ईएमएस)। एक साल से ज्यादा वक्त तक चले किसान आंदोलन के बाद यह माना जा रहा था कि इस बार भाजपा को पश्चिम यूपी में मुश्किलें आएंगी। कहा गया था कि 2013 में मुजफ्फरनगर दंगों के बाद जाट और मुस्लिमों के बीच जो खाई पैदा हुई थी, वह किसान आंदोलन ने खत्म कर दी है। ऐसे में यहां की राजनीति में एक बार फिर भाजपा कमजोर होगी और परंपरागत सामाजिक गठजोड़ बनने से रालोद को फायदा होगा। लेकिन चुनाव के ऐलान और प्रत्याशियों की घोषणा के बाद ऐसा होता नहीं दिख रहा है। जाट बहुल जिन सीटों पर रालोद को मजबूत माना जा रहा था, वहीं पर यह गठजोड़ कमजोर होता दिख रहा है। छपरौली, कैराना, सिवालखास से लेकर मांट तक में ऐसी ही स्थिति है। दरअसल जाट समुदाय के एक वर्ग का मानना है कि सपा के साथ गठजोड़ में जयंत चौधरी अच्छा मोलभाव नहीं कर पाए और अपने गढ़ वाली सीटों को ही अखिलेश के हवाले कर दिया। एक तरफ मुजफ्फरनगर जिले की सीटों पर मुस्लिम कैंडिडेट न देने से मुस्लिम वर्ग नाराज है तो वहीं सिवालखास, कैराना और बागपत जैसी सीटों पर मुस्लिम कैंडिडेट देने को लेकर जाट बिरादरी नाराज है। रालोद के पुराने कार्यकर्ता भी जयंत के फैसलों पर सवाल उठा रहे हैं। यही नहीं आगरा की मांट सीट पर तो एक तरफ सपा की ओर से संजय लाठर उतरने जा रहे हैं तो वहीं रालोद के पुराने नेता योगेश नौहवार ने पीछे हटने की बात तो मान ली है, लेकिन भीतरघात का डर सता रहा है। सबसे ज्यादा विरोध तो मेरठ की जाट बहुल सीट कही जाने वाली सिवालखास पर दिख रहा है। यहां रालोद के सिंबल पर सपा नेता और पूर्व विधायक गुलाम मोहम्मद को चुनाव लड़ाए जाने की घोषणा के बाद पूरे सियासी हल्के में भूचाल आ गया है। दिल्ली से लेकर सिवालखास तक लोग खुलकर विरोध में आ गए हैं। रालोद के फेसबुक पेज पर लोगों ने टिकट पर सवाल उठा दिए। लोगों में गुस्सा इतना है कि कई गांवों में जयंत के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रालोद के झंडे में आग लगा दी गई। पूर्व जिलाध्यक्ष राहुल देव ने आहत होकर पार्टी ही छोड़ दी है। जाट महासंघ की तरफ से भी ऐलान कर दिया है कि अगर सिवालखास से जाट प्रत्याशी नहीं बनाया गया तो वे किसी भी विधानसभा सीट पर गठबंधन को वोट नहीं देंगे। कार्यकर्ताओं में रालोद से जाट प्रत्याशी को टिकट नहीं दिए जाने की वजह से बेहद गुस्सा है। जाट बिरादरी के लोगों का साफ कहना है कि यहां उन्होंने रालोद के लिए मेहनत की और फंडिंग भी की गई, लेकिन टिकट सपा के प्रत्याशी के पास चला गया। जाट समाज के लोगों का कहना है कि यदि कैंडिडेट नहीं बदला गया तो फिर वह भाजपा तक को वोट कर सकते हैं। इससे पहले रालोद ने बुधवार को छपरौली सीट पर घोषित प्रत्याशी वीरपाल राठी का टिकट काटकर प्रो. अजय कुमार को पार्टी का प्रत्याशी बनाद दिया। जयंत चौधरी ने छपरौली सीट पर प्रो. अजय कुमार को अपना अधिकृत प्रत्याशी बनाने का ऐलान किया है। वह 2002 में इस सीट से विधायक रह चुके हैं। दरअसल तीन पहले ही छपरौली से पूर्व विधायक वीरपाल राठी और बड़ौत से जयवीर सिंह तोमर को प्रत्याशी घोषित किया था और राठी को टिकट दिए जाने के बाद, दिल्ली में कुछ लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के आवास पर जाकर विरोध जताया था। जिसके बाद राठी का टिकट काट दिया गया है।

भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद गोरखपुर सदर सीट से लड़ेंगे चुनाव

-पार्टी के इस फैसले पर चंद्रशेखर आजाद ने खुशी जाहिर कर जताया आभार

गोरखपुर(ईएमएस)। यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव में गोरखपुर सदर सीट से बड़ा सियासी मुकाबला देखने को मिल सकता है। भीम आर्मी के संस्थापक और आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद गोरखपुर सदर से भाजपा उम्मीदवार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। आजाद समाज पार्टी के इस फैसले पर भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा 'बहुत-बहुत आभार साधुवाद। पिछले 5 साल भी लड़ा हूं और अब भी लड़ूंगा। जय भीम, जय मण्डल। बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय।

आजाद पार्टी के मुख्य चुनाव अधिकारी रविंदर भाटी ने बताया कि आजाद समाज पार्टी उत्तर प्रदेश के 6-7 सात छोटे दलों के साथ गठबंधन करेगी, जिनमें भारतीय वीर दल, पिछड़ा समाज पार्टी, पथिक जनशक्ति पार्टी समेत कई दल होंगे। बताया जा रहा है कि आजाद समाज पार्टी 22 प्वाइंट का घोषणा पत्र भी जारी करेगी।

इस सीट से भाजपा ने सीएम योगी आदित्यनाथ को अपना उम्मीदवार बनाया है। अयोध्या और मथुरा की चर्चाओं के बीच बीते दिनों ही भाजपा ने सीएम योगी के गोरखपुर सदर सीट से लड़ने का ऐलान किया था। अब देखने वाली बात होगी कि इस सीट पर कांग्रेस, सपा और बसपा किसे टिकट देती है। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों के लिए सात चरणों में मतदान 10 फरवरी से शुरू होगा। उत्तर प्रदेश में अन्य चरणों में मतदान 14, 20, 23, 27 फरवरी, 3 और 7 मार्च को होगा। वहीं यूपी चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आएंगे। 2017 के चुनाव में बीजेपी ने यहां की 403 में से 325 सीटों पर जीत दर्ज की थी। सपा और कांग्रेस ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। सपा ने 47 और कांग्रेस ने 7 सीटें ही जीती थीं। मायावती की बसपा 19 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। वहीं 4 सीटों पर अन्य का कब्जा हुआ था।

''तृणमूल कांग्रेस, भाजपा के लिए नहीं, बल्कि कांग्रेस और गोवा के लिए सिरदर्दी

मुंबई (ईएमएस)। गोवा में बहुकोणीय लड़ाई हो गई है, जहां बंटा हुआ विपक्ष भाजपा को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहा है। इस तटीय राज्य में भाजपा विगत दस सालों से सत्ता में है। कांग्रेस कहती रही है कि वह भाजपा तथा चुनाव लड़ रहे अन्य दलों तृणमूल, आप, राकांपा-शिवसेना के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, जबकि गठबंधन का प्रयास विफल होने से उसकी संभावनाएं कमजोर होंगी। पिछले चुनाव परिणामों पर गौर करने से पता चलता है कि 40 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को सबसे अधिक 32.48 फीसदी वोट मिले, जबकि भाजपा को 13 सीटें ही मिल सकीं। वहीं कांग्रेस ने 28.35 फीसदी वोट पाकर 17 सीटें हासिल की थीं।

मत प्रतिशत के अनुसार महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) को 11.27 फीसदी वोट मिला था और उस तीन सीटें मिली थीं, जबकि 58 निर्दलीय उम्मीदवारों को कुल मिलाकर 11.12 फीसदी वोट हासिल हुआ था और उन्होंने तीन सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2017 के चुनावों में आम आदमी पार्टी को महज 6.27 फीसदी मत हासिल हुआ था और उसका खाता भी नहीं खुला, वहीं शरद पवार की पार्टी राकांपा ने 2.28 फीसदी वोट हासिल कर एक सीट पर चुनाव जीता था। शिवसेना, राकांपा के साथ मिलकर गोवा चुनाव लड़ने की योजना बना रही है और उस 2017 के चुनावों में महज 0.09 फीसदी वोट हासिल हुआ था।

शिवसेना के नेता संजय राउत ने कहा था, गोवा की राजनीति को मुख्यतः भू माफिया नियंत्रित करते हैं, शिवसेना राज्य की राजनीति में आम आदमी को केंद्र में लाना चाहती है।उन्होंने कहा था कि शिवसेना और राकांपा गोवा में कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र जैसा गठबंधन बनाना चाह रहे थे, लेकिन प्रयास सफल नहीं हो सके। कांग्रेस ने 2022 के चुनावों के लिए गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ समझौता किया है, जबकि भाजपा ने किसी के भी साथ गठबंधन नहीं किया है और वह सभी 40 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है।

तृणमूल कांग्रेस ने एमजीपी के साथ गठबंधन कर भाजपा के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी होने का दावा कर कांग्रेस और राकांपा नेताओं को अपनी तरफ मिलाया है। गोवा में 2017 के चुनावों में तृणमूल नहीं थी, लेकिन 2012 के चुनावों में टीएमसी ने 12 उम्मीदवार खड़े किए थे और कुल वैध मतों में से 1.81 फीसदी मत हासिल किए थे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और गोवा चुनावों के लिए भाजपा के प्रभारी देवेंद्र फडणवीस ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस, भाजपा के लिए सिरदर्दी नहीं है। वह कांग्रेस और गोवा के लिए सिरदर्दी है।'' 2012 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को 34.68 फीसदी, कांग्रेस को 30.78 फीसदी, एमजीपी को 6.72 फीसदी, राकांपा को 4.08 फीसदी, निर्दलीयों को 16.67 फीसदी और शिवसेना को 0.02 फीसदी वोट मिले थे।

कार्टून कोना

रात 10 बजे के बाद कोच में तेज आवाज में बात करना, यहां लाइट जलाने पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। आप यदि ट्रेन में यात्रा करते हैं, तब इस समस्या से हमेशा दो-चार हुए हो सकते है। आपके आसपास कोई यात्री अपने मोबाइल फोन पर तेज आवाज में गाने सुन रहा होगा। कोई यात्री तेज आवाज में मोबाइल फोन पर बातचीत कर रहा होगा। यही नहीं, दो तीन यात्री तेज आवास में बहस भी करने लगते हैं। कोई यात्री रात में 10 बजे क बाद भी लाइट ऑन रखते हैं। अब वे ऐसा नहीं कर पाएंगे।इस बारे में रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे के नाम एक चिट्ठी भेज दी है। रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि इस तरह की काफी शिकायतें मिल रही हैं। लेकिन अभी तक इस बारे में कोई नियम नहीं था। अब यात्री सुविधा का ध्यान रखते हुए एक बड़ा फैसला लिया गया है। अगर लोग इस तरह की शिकायत करते हैं,तब रेलवे इसतरह के लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी होगी। इतना ही नहीं ट्रेन स्टाफ की जवाबदेही भी तय होगी।

उस अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में रेल मंत्रालय ने सभी जोनों को आदेश जारी कर दिया है। सभी जोनल रेलवे को कहा गया है कि इस निर्देश को तत्काल प्रभाव से लागू करें। साथ ही कहा गया है कि इस निर्देश को लागू करने में कोई जोर-जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। ऐसा न हो कि इस निर्देश के बहाने यात्रियों का उत्पीड़न हो। यात्रियों की अक्सर शिकायत रहती थी कि सह-यात्री फोन पर जोर से बात करते हैं, या संगीत सुनते हैं। ऐसी भी शिकायतें थीं कि रात में कोच में बैठा एक समूह जोर-जोर से बात कर रहा था। ऐसी भी शिकायतें थीं कि रेलवे का एस्कार्ट या मेंटनेंस का कर्मचारी जोर से बात करते हैं। इससे यात्रियों की नींद खराब होती है। साथ ही रात में लाइट जलाने को लेकर भी यात्रियों के बीच झगड़ा होता है।

रात 10 बजे के बाद के दिशा-निर्देश इस प्रकार हैं:-

कोई भी यात्री इतनी तेज आवाज में फोन पर बात नहीं करेगा या तेज म्यूजिक नहीं सुनेगा, जिससे साथी यात्री परेशान हो जाए।नाइट लैंप को छोड़कर सभी लाइटें रात में बंद करनी होगी, ताकि साथी यात्री इससे परेशान न हों।

लौहार में विस्फोट में एक बच्चे सहित कम से कम दो लोगों की मौत

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के लाहौर शहर के व्यस्त अनारकली इलाके में हुए बम विस्फोट में एक बच्चे सहित कम से कम दो लोगों की मौत हुई हैं, और 25 अन्य घायल हो गए। घायलों को शहर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बताया कि करीब 9 घायलों की हालत नाजुक है। विस्फोट से घटनास्थल पर खड़ी कई मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हो गईं। विस्फोट से खिड़की के शीशे भी टूट गए। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। बम निरोधक दस्ते ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

चीन के इस दुस्साहस पर कांग्रेस ने पीएम मोदी से पूछा, आखिर आप चुप क्यों हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने अरुणाचल प्रदेश के किशोर का चीनी सैनिकों द्वारा अपहरण करने संबंधी भाजपा सांसद तापिर गाव के दावे को लेकर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर कहा कि प्रधानमंत्री को इस मामले पर देश को जवाब देना चाहिए। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मामले पर प्रधानमंत्री की चुप्पी से साबित होता है कि उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। गौरतलब है कि अरुणाचल प्रदेश से सांसद तापिर गाव ने कहा था कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने राज्य में भारतीय क्षेत्र के अपर सियांग जिले से 17 वर्षीय एक किशोर का अपहरण कर लिया है। उन्होंने कहा कि अपहृत किशोर की पहचान मिराम तरोन के रूप में हुई है। उन्होंने दावा किया कि चीनी सेना ने सियुंगला क्षेत्र के लुंगता जोर इलाके से किशोर का अपहरण किया।

मामले पर राहुल गांधी ने ट्वीट किया,गणतंत्र दिवस से कुछ दिन पहले भारत के एक भाग्य विधाता का चीन ने अपहरण किया है। हम मिराम तरोन के परिवार के साथ हैं और उम्मीद नहीं छोड़ने वाले और हार नहीं मानने वाले है। उन्होंने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री की बजुदिल चुप्पी ही उनका बयान है, उन्हें फर्क नहीं पड़ता! कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, मोदी जी, चीनी सेना का ये दुस्साहस कैसे कि हमारी सरजमीं पर फिर घुसपैठ की? चीन की ये हिम्मत कैसे कि वहां भारतीय नागरिक को अगवा कर ले गए? हमारी सरकार चुप्पी क्यों साधे है? आप अपने सांसद की अपील क्यों नहीं सुन रहे? अब ये मत कहिएगा, न कोई आया, न किसी को उठाया।''

पार्टी प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने कहा, राहुल गांधी जी ने बहुत पहले आगाह किया था कि देखिए चीन हमारी सरहद में आ रहा है, मोदी जी कुछ कीजिए, लेकिन उस वक्त उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। उनके मुताबिक, '' भाजपा के अरुणाचल प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष कहते हैं कि अरुणाचल में हमारी सीमा के अंदर से चीन 17 साल के युवक को उठाकर ले जाता है। ये कहने वाले कोई और नहीं बाल्कि भाजपा के सांसद हैं।''गोहिल ने सवाल किया, ''चीन के सैनिक यहां हमारे नागरिक को सीमा के अंदर से उठाकर ले जाते हैं, हमारी सीम

जन हितैषी

संक्रमण का आंकड़ा

संक्रमण के प्रसार की बढ़ती रफ्तार बता रही है कि हम बड़े खतरे की ओर बढ़ रहे हैं। पर अब ज्यादा बड़ा संकट यह खड़ा हो गया है कि कार्यस्थलों पर सामूहिक संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। संक्रमण से बचाव के लिए कोरोना व्यवहार के उपायों जैसे मास्क लगाने, सुरक्षित दूरी रखने और बार-बार हाथ धोने के अलावा सबसे ज्यादा जोर टीकाकरण पर रहा है। हालांकि सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए टीकाकरण को अनिवार्य बनाया भी। लेकिन ऐसे कर्मचारी अभी कम नहीं हैं जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है। कई राज्यों में यह स्थिति काफी खराब है। इसलिए तीसरी लहर को देखते हुए सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे हर कर्मचारी के लिए टीकाकरण अनिवार्य करें, खासतौर से पुलिस बल और उनके परिवारों को। दफ्तरों में मास्क और सुरक्षित दूरी के पालन को लेकर सख्ती हो। कर्मचारियों की नियमित जांच हो। संक्रमितों के संपर्क में आने वालों का पता लगाया जाए। हालांकि यह कवायद तभी संभव और कारगर होगी, जब लोग भी इसे अपनी जिम्मेदारी समझेंगे। लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए टीकाकरण कार्यक्रम का एक साल पूरा हो चुका है। सरकार का दावा है कि इस एक साल में एक सौ सत्तावन करोड़ से ज्यादा टीके लगाए जा चुके हैं। जाहिर है, आबादी के बड़े हिस्से को टीका लग

गया है। आकंड़ों के हिसाब से देश की तिरानवे फीसद आबादी को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। करीब सत्तर फीसद लोगों को दोनों खुराकें लग चुकी है। इससे इतना तो सुनिश्चित हुआ कि लोगों को तात्कालिक तौर पर सुरक्षा कवच मिल गया और जान जोखिम में पड़ने से बची। इसमें तो कोई संदेह नहीं कि महामारी से जंग में टीका निर्णायक साबित हुआ है। तीसरी लहर के दौरान यह बात सामने आई भी है कि इस बार मौतों के जितने मामले सामने आ रहे हैं, उनमें से अधिकतर वे लोग थे जिन्होंने टीके की एक भी खुराक नहीं ली थी। हालांकि ऐसे भी मामले आते रहे हैं कि टीकाकरण के बावजूद लोग नहीं बच सके। पर ऐसे मामलों की संख्या कम ही है और जांच में पता चला कि ऐसे मरीज किसी न किसी गंभीर बीमारी से पहले से ग्रस्त थे। पर इसमें तो कोई संदेह नहीं कि टीकाकरण ने करोड़ों लोगों को सुरक्षा के घेरे में ला दिया। भारत जैसे विशाल देश में सफल टीकाकरण कोई आसान काम भी नहीं है। इतनी बड़ी आबादी को जल्द से जल्द टीका लगाने के लिए जिस युद्धस्तर पर कवायद शुरू की गई, वह अपने में महाभियान ही है। सबसे पहले 16 जनवरी 2021 से स्वास्थ्यकर्मियों को टीका देने का काम शुरू हुआ था क्योंकि अस्पतालों में संक्रमित मरीजों के बीच रह कर काम यही लोग कर रहे थे। हालांकि सरकार का लक्ष्य 31 दिसंबर 2021 तक पूरी आबादी के टीकाकरण था। लेकिन यह पूरा नहीं हो पाया। कहने को भारत दुनिया के बड़े टीका निर्माता देशों में है, पर शुरू में कई मुश्किलें तो झेलनी ही पड़ीं। कच्चे माल की कमी और टीका निर्माता कंपनियों के समक्ष पैसे कमी जैसे कारण तो रहे ही, इतनी बड़ी आबादी के लिए टीकों का उत्पादन और फिर देश के कोने-कोने तक टीके पहुंचाने की चुनौती भी मामूली नहीं थी। केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल का अभाव तथा कुप्रबंधन जैसे संकट भी कम नहीं रहे। कई राज्यों में टीकाकरण की रफ्तार अभी भी संतोषजनक नहीं है। इसलिए राज्यों को अब फुर्ती दिखानी होगी। घर-घर टीकाकरण जैसे अभियान पर जोर देना होगा। टीकाकरण अभियान को कामयाब बनाने के लिए नागरिकों को भी समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। अभी भी ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है जो टीका लगवाने से बच रहे हैं। टीके को लेकर लोगों के मन में भ्रम और भय बना हुआ है। इसे दूर करना होगा। एक साल के टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान आई दिक्कतों से हमें सीख लेने की जरूरत है, तभी इस अभियान को और सशक्त बनाया जा सकेगा।

चुनाव में पक्ष - विपक्ष के बीच बेहतर टक्कर!

देश में पंजाब, मणिपुर, गोवा, उतराखंड एवं उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव 7 चरणों में होने की घोशणा हो चुकी है। जहां उत्तर प्रदेश की कुल 403 विधान सभा सीटों पर 10 फरवरी, 14 फरवरी, 20 फरवरी, 23 फरवरी, 27 फरवरी , 3 मार्च एवं 7 मार्च को तथा मणिपुर राज्य की 60 सीटों के लिये 27 फरवरी , 3 मार्च को , उतराखंड की 70, पंजाब की 117 एवं गोवा की 40 सीटों के लिये 14 फरवरी को चुनाव होने की प्रक्रिया चुनाव आयोग ने शुरू कर दी है। 10 मार्च को इन राज्यों के चुनाव परिणाम भी आने की घोशणा चुनाव आयोग ने की है। इसी के साथ इन राज्यों में राजनीतिक दलों की राजनीतिक गतिविधियां गति पकड़ने लगी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कोविड काल को देखते हुये चुनाव रैली, पद यात्रा, रथ यात्रा, साइकिल यात्रा, सड़क,नुक्कड़ आदि पर रैली आयोजन करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने एवं चुनाव उपरान्त विजय जुलूस पर पाबंदी लगा दी है। इसपर समीक्षा किये जाने की बात करते हुये हर एक से चुनाव दौरान कोरोना गाइड पालना के साथ डिजिटल चुनाव प्रचार करने की सलाह दी।

पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव की तिथि चुनाव आयोग द्वारा घोशित होते ही देश के सभी राजनीतिक दल सक्रिय हो चले है। चुनाव पूर्व आया राम गया राम की भी राजनीति शुरू हो गई है। इस चुनाव में आप पार्टी विशेष रूप से गोवा, पंजाब, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश राज्य के चुनाव में अपनी राजनीतिक पैठ बनाने में ज्यादा सक्रिय दिखाई दे रही है जो सत्ता बनाने की भूमिका में कहीं न कहीं विशेष रूप से पंजाब एवं उत्तराखंड राज्य में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकती है। इन पांच राज्यों में से वर्तमान में पंजाब में कांग्रेस एवं शेष चार राज्यों में भाजपा का वर्चस्व कायम है पर इस चुनाव में सत्ता परिवर्तन होने की संभावनाएं नजर आ रही है। विशेष रूप से पंजाब , उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में चुनाव पूर्व हुये किसान आंदोलन में शामिल केन्द्र सरकार की नई किसान नीतियों से नाराज किसान केन्द्र की सत्ता पक्ष से जुड़े राजनीतिक दल को इन राज्यों में नुकसान पहुंचा सकते है जिससे उत्तरप्रदेश में भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। पंजाब एवं उत्तराखंडं राज्य के मुख्य मंत्री बदले जाने से सत्ता पक्ष को चुनाव में नुकसान हो सकता है।

इस बार के विधान सभा चुनाव में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष आर - पार की लड़ाई में नजर आ रहा है। उत्तर प्रदेश में सपा एवं गठबंधन पूरे जोर शोर से सत्ता पक्ष भाजपा को जड़ से उखाड़ फेकने की तैयारी में नजर आ रहा है। पर फिलहाल उत्ता प्रदेश से भाजपा को सत्ता से बेदखल करना इतना आसान नहीं है। केन्द्र की नई कृशि नीति के चलते नाराज किसान का समूह भाजपा को नुकसान पहुंचा सकता है तो विपक्ष खेमे में एकीकरण न होने एवं एआईआईएम के मुस्लीम तुश्टीकरण की नीति से भाजपा को लाभ मिलने के आसार है। उत्तराखड में कांग्रेस एवं भाजपा आमने सामने है। इस बार के चुनाव में कांग्रेस भाजपा को पहले से बेहतर टक्कर देने की स्थिति में नजर आ रही है। यदि पंजाब कांग्रेस के हाथ से निकल सकता तो उत्तराखंड हाथ आ सकता है। इस तरह इस चुनाव में पक्ष विपक्ष के बीच बेहतर चुनावी टक्कर नजर आ रहा है। जो सत्ता परिवर्तन को दर्षा रहा है। (लेखक-डॉ. भरत मिश्र प्राची / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

21 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	08.08 बजे से
चंद्र	सिंह में	मीन	09.40 बजे से
मंगल	धनु में	मेष	11.11 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.51 बजे से
गुरु	कुंभ में	मिथुन	14.49 बजे से
शुक्र	धनु में	कर्क	17.03 बजे से
शनि	मकर में	सिंह	19.19 बजे से
राहु	वृष में	कन्या	21.31 बजे से
केतु	वृश्चिक में	तुला	23.41 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		वृश्चिक	01.56 ब.से
		धनु	04.12 बजे से
		मकर	06.17 बजे से

शुक्रवार 2022 वर्ष का 21 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 08.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मघा 09.43 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 15.05 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.52 बजे तदनन्तर बव 21.07 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 57' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871135 **जूलियन दिन** 2459600.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 17 **विशेष** लंबोदर संकष्टी चतुर्थी, वीर हेमूकालाणी शहीद दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

महामारी मुआवजा: राज्यों की खिंचाई

सर्वोच्च न्यायालय ने उन प्रदेश-सरकारों को कड़ी झाड़ लगाई है, जिन्होंने कोरोना महामारी के शिकार लोगों के परिवारों को अभी तक मुआवजा नहीं दिया है। सर्वोच्च न्यायालय का आदेश था कि प्रत्येक मृतक के परिवार को 50 हजार रु. का मुआवजा दिया जाए। सभी राज्यों ने कार्रवाई शुरु कर दी लेकिन उसमें दो परेशानियां दिखाई पड़ीं। एक तो यह कि मृतकों की संख्या कम थी लेकिन मुआवजों की मांग बहुत ज्यादा हो गई। दूसरी परेशानी यह कि मृतकों की जितनी संख्या सरकारों ने घोषित की थी, उनकी तुलना में मुआवजे की अर्जियां बहुत कम आईं। जैसे हरयाणा में मृतकों का सरकारी आंकड़ा था- 10,077 लेकिन अर्जियां आईं सिर्फ 3003 और पंजाब में 16,557 के लिए अर्जियां सिर्फ 8786 अर्जियां। जबकि कुछ राज्यों में इसका उल्टा हुआ। जैसे महाराष्ट्र में मृत्यु-संख्या 1,41,737 थी लेकिन अर्जियां आ गई 2 लाख 13 हजार ! ऐसा ज्यादातर राज्यों में हुआ है। ऐसी स्थिति में कुछ राज्यों में मुआवजे का भुगतान आधे लोगों को भी अभी तक नहीं हुआ है। इसी बात पर अदालत ने अपनी गंभीर नाराजी जताई। उसने बिहार और आंध्रप्रदेश के मुख्य सचिवों को तगड़ी फटकार लगाई और उन्हें कहा कि वे अपनी जिम्मेदारी शीघ्र नहीं पूरी करेंगे तो अदालत अगला सख्त कदम उठाने पर मजबूर हो जाएगी। जजों ने यह भी कहा कि आपकी सरकार ने महामारी के शिकार मृतकों के जो आंकड़े जारी किए हैं, उनकी प्रामाणिकता संदेहास्पद है। उन्होंने बिहार जैसे प्रांत में मृतक-संख्या सिर्फ 12 हजार कैसे हो सकती है? अदालत ने गुजरात सरकार से पूछा है कि उसने 4 हजार अर्जियों को किस आधार पर रद्द किया है। अदालत ने कहा है कि किसी भी अर्जी को रद्द किया जाए तो उसका कारण बताया जाए और अर्जी भेजनेवालों को समझाया जाए कि उस कमी को वे कैसे दूर करें? अदालत ने सबसे ज्यादा चिंता उन बच्चों की की है, जिनके माता और पिता, दोनों ही महामारी के शिकार हो गए हैं। ऐसे अनाथ बच्चों के जीवन-यापन, शिक्षा और रख-रखाव की व्यवस्था का सवाल भी अदालत ने उठाया है। उसने सरकारों से यह भी कहा है कि वे गांव और शहरों में रहनेवाले गरीब और अशिक्षित परिवारों को मुआवजे की बात से परिचित करवाने का विशेष प्रयत्न करें। मान लें कि अदालत ने उन कुछ अर्जियों का जिक्र नहीं किया, जो फर्जी भी हो सकती हैं तो भी क्या? ऐसी गैर-कोरोना मौतों के नाम पर मुआवजा शायद ही कोई लेना चाहेगा और चाहेगा तो भी वही चाहेगा, जो बेहद गरीब होगा। ऐसे में भी राज्य उदारता दिखा दे तो कुछ अनुचित नहीं होगा। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

धर्म और धार्मिक क्रियाओं के बीच वही सम्बन्ध है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच है

कितनी विचित्र बात है कि संसार में सबसे ज्यादा युद्ध धर्म के कारण हुए हैं और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का सबसे ज्यादा विकास युद्धों के कारण हुआ। परंतु फिर भी यह नहीं कहा जा सकता कि विज्ञान का विकास धर्म के कारण हुआ है। सामान्य रूप से धर्म और विज्ञान को परस्पर विरोधी माना जाता है। धर्म को विश्वास (और कभी-कभी अंधविश्वास भी) और विज्ञान को तर्कयुक्त माना जाता है। विज्ञान का परिणाम सभी को एक जैसा दिखता है। मोबाइल फोन पर सभी बात कर सकते हैं चाहे वह उसकी आंतरिक तकनीकी समझते हों या नहीं। सीटी स्कैन मशीन आस्तिक-नास्तिक, मूर्ख-विद्वान, स्त्री-पुरुष, अफ्रीकी-अमेरिकी सभी के शरीर के अंदर का चित्र निकालकर दिखा देगी। विज्ञान विश्वास का विषय नहीं है, वह भौतिक रूप से पाँच ज्ञानेन्द्रियों से अनुभव करने का विषय है। इसलिए विज्ञान को लेकर कभी विवाद नहीं होता। पूरे संसार का विज्ञान एक सा है।

विज्ञान के नियम सृष्टि में स्वमेव पैदा हुए हैं। वैज्ञानिक उनकी खोज करते हैं, आविष्कार नहीं करते। आविष्कार तो प्रौद्योगिकी का करते हैं जो विज्ञान के नियमों का व्यवहारिक जीवन में उपयोग करती है। गुरुत्वाकर्षण के नियम की खोज के पहले भी पेड़ पर लगा फल टूटकर भूमि पर ही गिरता था, ग्रह, नक्षत्र और पिंड आपस में आकर्षित होते थे। सापेक्षता के नियम की खोज के पहले भी पदार्थ और ऊर्जा आपस में बदल सकते थे। इस खोज के बाद हमने उसका उपयोग कर आणविक ऊर्जा का आविष्कार कर लिया। सृष्टि में विद्युत चुम्बकीय तरंगों का अस्तित्व तो सदैव से है परंतु जब इनकी खोज की और उनके उपयोग की प्रौद्योगिकी विकसित की तो रेडियो, टीवी और मोबाइल जैसे आविष्कार हो सके। यदि तृतीय विश्वयुद्ध में सारी मानवता नष्ट हो जाए तो उसके साथ प्रौद्योगिकी भी नष्ट हो जाएगी परंतु संसार में विज्ञान के नियम यथावत कार्य करते रहेंगे।

धर्म के साथ मामला पेचीदा हो जाता है। अंग्रेजी में जिसे रिलीजन कहा जाता है उसकी समझ दुनिया के भौगोलिक क्षेत्र, वहाँ के समाज, अर्थव्यवस्था आदि के साथ विकसित हुई है। यह विश्वास का मामला है। इसलिए दुनिया के तीन बड़े रिलीजन ईसाई, इस्लाम और यहूदी में विश्वास करना ही महत्वपूर्ण है। उनकी एक पवित्र पुस्तक है, ईश्वर का संदेश लाने वाले एक दूत हैं। पुस्तक में जो लिखा है और ईश्वर के संदेश में जो कहा गया है वह अंतिम सत्य है, उस पर विश्वास करना ही होगा। भारत का हिन्दू या सनातन धर्म इस मामले में भिन्न है क्योंकि यहाँ विश्वास का स्थान बहुत सीमित है। यहाँ अनुभव और सत्य का दर्शन ही प्रमाण है। अनुभव और दर्शन तो उसी का होगा जो अस्तित्व में है। किसी के कहने से उसे बदला नहीं जा सकता। इसलिए हमारे चारों ओर जो अस्तित्व हमें घेरे है उसके स्वभाव को ही धर्म कहते हैं। जैसे विज्ञान स्वयं उद्भूत है और पूरे संसार में एक सा है वैसे ही अस्तित्व का स्वभाव भी स्वयं उद्भूत है, सदैव से था, सदैव ऐसा ही रहेगा और पूरे ब्रह्माण्ड में एक सा है। पर यह अस्तित्व है क्या ?

इस अस्तित्व को ऐसे समझें कि, संसार में जो कुछ भी है उस सभी में चेतना है। गीता में भगवान् कृष्ण कहते हैं संसार के सभी जीवों में मेरा ही अंश विद्यमान है (15.7)। यही अंश चेतना है, इसी से सारी सक्रियता है। विभिन्न रूपों में उस चेतना के स्तर में अंतर है। कहीं ज्यादा है कहीं कम। पत्थर में चेतना सुषुप्त है, पौधे में कुछ जाग्रत है, जीव-जन्तुओं में और ज्यादा सक्रिय है और मानव में उससे भी ज्यादा। जहाँ चेतना होती है वह अपने को अभिव्यक्त करती ही है। चेतना सुषुप्त होने के कारण पत्थर तोड़े जाने का विरोध नहीं करता, परंतु पौधा काटे जाने पर पीड़ा के चिह्न प्रकट करता है, और चींटी तो प्रतिरोध करेगी और अपनी जान बचाने का भरसक प्रयत्न करेगी। चेतना का ज्ञान बुद्धि से होता है। परंतु ज्ञान होना और अनुभव होना दो अलग बातें हैं। हम उपनिषद पढ़कर बौद्धिक रूप से 'अहं ब्रह्मास्मि' मान लेंगे परंतु यह अनुभूति नहीं है, मात्र जानकारी है। धर्म का उद्देश्य है कण-कण में इस चेतना का अनुभव कराना, दर्शन कराना। इस अनुभव के बाद संसार का रूप ही बदल जाता है। तुलसीदासजी को सारा संसार 'सियाराममय' दिखने लगाता है तो कबीरजी को 'इस घट अंतर अनहद गरजै' सुनाई देने लगता है।

अब इस अस्तित्व का स्वभाव देखें। यह बगैर प्रतिफल की आशा किये निरंतर दे रहा है। सूरज प्रकाश दे रहा है, बादल पानी दे रहे हैं, वायु प्राण दे रही है। सब दूसरों के हित में त्याग कर रहे हैं। कोई अपने पास कुछ संग्रह नहीं कर रहा। वृक्ष अपनी सारी ऊर्जा बीज बनाने में लगा रहा है ताकि नए वृक्ष और फल संसार को मिल सकें। पूरा अस्तित्व अपरिग्रही है। कुछ भी स्थाई नहीं है। जो बन रहा है वह अगले ही क्षण किसी अन्य रूप में बदल रहा है। सब कुछ अनित्य है। जीवन-मृत्यु निरंतर चल रहे हैं। सब कुछ शांत है। न पुष्प कुछ बोलता है न चाँदनी। बोलना केवल बाह्य क्रिया है आंतरिक नहीं। पूरे अस्तित्व में सब कुछ नियमबद्ध है, सहज है, सरल है। सूर्य समय पर निकलेगा, कमल भोर होते ही खिलेंगे आदि। ऐसा नहीं हो सकता कि कमल अचानक रात में खिलना तय कर लें। इसमें धोखे की कोई गुंजाइश नहीं है। मृत्यु है पर अकारण हिंसा नहीं है। शेर भूखा होने पर ही शिकार करता है। शेर का पेट भरा हो तो वह हिरण की तरफ आँख उठाकर भी नहीं देखता। अस्तित्व मूलत: अहिंसक है।

आप जितना विचार करते जाएँगे तो पाएँगे कि अस्तित्व का स्वभाव ही त्याग, अपरिग्रह, सत्य, मौन, सरलता, अहिंसा आदि हैं। यही धर्म के अंग हैं। इनका कोई विकल्प नहीं हो सकता क्योंकि यह विज्ञान की तरह स्वमेव सृष्टि में उद्भूत हुए हैं। इसलिए अस्तित्व या चेतना का साक्षात्कार करना है तो इन्हीं नियमों पर चलना होगा।

धर्म के दो भाग हैं सैद्धांतिक और प्रायोगिक। सैद्धांतिक भाग तो उपनिषदों में 5 महावाक्यों के रूप में व्यक्त किया गया है - अहं ब्रह्मास्मि (मैं ब्रह्म हूँ), तत्त्वमसि (वह ब्रह्म तू है), अयम् आत्मा ब्रह्म (यह आत्मा ब्रह्म है), प्रज्ञानं ब्रह्म (प्रकट ज्ञान ही ब्रह्म है) और सर्वं खल्विदं ब्रह्म (सर्वत्र ब्रह्म ही है)। धर्म के प्रायोगिक भाग में प्राचीन महापुरुषों ने विभिन्न प्रकार की धार्मिक प्रक्रियाओं का विधान किया है जो अस्तित्व के स्वाभाविक गुणों पर आधारित हैं। मूर्तिपूजा से लेकर व्रत, तप, योग, यज्ञ, ध्यान आदि प्रक्रियाओं का उद्देश्य आंतरिक शुद्धता बढ़ाकर कण-कण में चेतना का अनुभव करना है। इन प्रक्रियाओं को हम धर्म की प्रौद्योगिकी कह सकते हैं।

जिस प्रकार प्रौद्योगिकी तभी सफल होगी जब वह विज्ञान के नियमों के अनुसार होगी। उसी तरह धार्मिक क्रिया तभी सार्थक होगी जब वह धर्म के अनुरूप होगी। सही धार्मिक क्रिया हमारे अंतर को परम चेतना या अस्तित्व के स्वभाव के अनुरूप ढ़ालती है। जब हमारे अंदर भी अस्तित्व जैसे गुण पैदा हो जाते हैं तब हम में और अस्तित्व में अंतर समाप्त हो जाता है। बीच का पर्दा गिर जाता है और यही साक्षात्कार की अवस्था है जो धर्म का उद्देश्य है। कल्पना करें ऐसे मोबाइल की जिसमें सिम न हो तो वह मोबाइल बच्चों का खिलौना होगा जिससे वे फोन करने का ढ़ोंग कर सकते हैं पर बातचीत नहीं कर सकते। इसी प्रकार जो कथित धार्मिक क्रिया हमारे अंदर अस्तित्व के मूल स्वभाव जैसे - सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, आस्तेय, क्षमा, धैर्य, अक्रोध आदि - को समृद्ध न कर सके वह पाखंड होगी। अंतर केवल इतना है कि विज्ञान पाँच ज्ञानेन्द्रियों से अनुभूत होता है जो हम सभी के पास हैं इसलिए कोई प्रौद्योगिकी कार्य कर रही है या नहीं यह सबको पता चल जाता है। धर्म की प्रक्रिया आंतरिक शुद्धीकरण करती है जि सका पता स्वयं हमें ही ईमानदार अंतरावलोकन से चल सकता है। दूसरा इसे नहीं समझ सकता। इसलिए धर्म की प्रौद्योगिकी में धोखे की भरपूर संभावनाएँ हैं और आजकल तो धर्म के नाम पर यही बहुतायत में चल रहा है। ऐसी स्थिति में आपका विवेक और ईमानदार अंतरावलोकन ही आपको सही मार्ग दिखा सकता है।

ओमप्रकाश श्रीवास्तव
आईएएस अधिकारी तथा
धर्म, दर्शन और साहित्य के अध्येता
(लेखक- ओमप्रकाश श्रीवास्तव / ईएमएस)

आज का इतिहास 21 जनवरी

1793 फ्रांस नरेश लुई 16वें को मौत के घाट उतार दिया गया.
1945 प्रसिद्ध क्रांतिकारी रासबिहारी बोस का निधन टोकियो में हुआ.
1954 अमेरिका में परमाणु चलित प्रथम पनडुब्बी यूएसएस नाटिलस का जलावतरण हुआ.
1961 महारानी एलिजाबेथ भारत आयी.
1968 ब्रिटेन ने सुदूरपूर्व और खाड़ी क्षेत्र से अपने सैनिक हटाने की योजना घोषित की.
1969 भारत में निर्मित प्रथम कम्प्युटर ने काम करना शुरू किया.
1970 इराक में सत्ता पलट की साजिश विफल होने के बाद 12 व्यक्तियों को मौत की सजा दी गयी.
1972 मणिपुर,मेघालय और त्रिपुरा पूर्ण राज्य बने.
1974 चीन के साथ परासेल द्वीप की लड़ाई में वियतनाम को अमेरिका ने मदद देने से इंकार किया था.
1983 प्रथम भारतीय एडमिरल आर. डी. कटारी का निधन.
1990 पूर्वी जर्मनी में कम्युनिस्ट पार्टी ने प्रमुख नेता इगोन क्रेंज को निष्कासित कर दिया.
1992 सुरक्षा परिषद ने पेन अमेरिका विमान में बम विस्फोट के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों को अमेरिका को सौंपने का आग्रह लीबिया से किया.
1993 इंडोनेशिया के उत्तरी छोर पर समुद्र में तेल ले जा रहे सुपर टैंकर में आग लग गयी.
2000 भारत ने फायर एंड फारगेट प्रक्षेपास्त्र का परीक्षण किया.
2001 भारत -बांग्लादेश के बीच 21 वर्ष बाद पुनः रेल सेवा प्रारंभ.
2002 उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में अति पिछड़ों की विशेष भर्ती पर रोक लगाई.
2003 मोबाइल से मोबाइल पर इनकमिंग कॉल मुफ्त हुई.
2005 तमिलनाडु में विशेष जांच दल ने शंकररामन हत्याकांड में कांची मठ के दोनों आचार्यों को प्रमुख अभियुक्त बनाया.

गरीबी और अमीरी की खाई: ताजा आंकड़े

कोरोना की महामारी ने सारी दुनिया को अर्थ-व्यवस्था पर बुरा असर डाला है, लेकिन जो देश सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, उनमें भारत अग्रणी है। यों तो भारत सरकार और हमारे अर्थशास्त्री जो आंकड़े बघारते रहते हैं, उनसे लगता है कि हमारी अर्थव्यवस्था की सेहत बड़ी तेजी से सुधर रही है और हमें निराश होने की जरुरत नहीं है लेकिन स्विटजरलैंड में चल रहे वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम में ऑक्सफोम की जो रपट जारी की गई, वह भारतीयों के लिए काफी चिंता का विषय है। भारत में मार्च 2020 से नवंबर 2021 तक लगभग साढ़े चार करोड़ लोग गरीबी की सीढ़ी से भी नीचे याने घोर दरिद्रता के पायदान पर जा बैठे हैं। अर्थात ये वे लोग हैं, जिनके पास खाने, पहनने और रहने के लिए न्यूनतम सुविधाएं भी नहीं हैं। इसका सरल शब्दों में अर्थ यह है कि भारत के करोड़ों लोग भूखे हैं, नंगे हैं और सड़कों पर सोते हैं। उनकी चिकित्सा का भी कुछ ठिकाना नहीं है। जो अत्यंत दरिद्र नहीं हैं, ऐसे लोगों की संख्या उनसे कई गुना ज्यादा है। वे भी किसी तरह जिंदा है। उनका गुजारा भी रो-पीटकर होता रहता है। 40 प्रतिशत लोग मध्यम वर्ग के माने जाते हैं। ये भी बेरोजगारी और मंहगाई के शिकार हो रहे हैं। ये राष्ट्रीय आय के सिर्फ 30 प्रतिशत पर गुजारा कर रहे हैं। निम्न मध्यम वर्ग के 50 प्रतिशत लोग सिर्फ 13 प्रतिशत राष्ट्रीय आय पर किसी तरह अपनी गाड़ी खींच रहे हैं। देश के सिर्फ 10 प्रतिशत अमीर लोग कुल राष्ट्रीय आय के 57 प्रतिशत पैसे पर मजे लूट रहे हैं। उनमें भी मुट्ठीभर अति अमीर लोग उस 57 में से 22 प्रतिशत पर हाथ साफ कर रहे हैं। देश में अरबपतियों की संख्या में 40 नए अरबपति जुड़ गए हैं। इतने अरबपति तो यूरोप में भी नहीं हैं। उनकी कुल संपत्ति 53 लाख करोड़ रु. है। देश के सिर्फ 10 अमीरों की संपत्ति इतनी बढ़ी है कि उस पैसे से देश के सारे स्कूल-कालेज बिना फीस के 25 साल तक मुफ्त चलाए जा सकते हैं। देश के हर जिले और बड़े शहर में बढ़िया अस्पताल और दवाखाने खोले जा सकते हैं। इसमें शक नहीं है कि हमारे पूंजीपति अपने अथक परिश्रम और व्यावसायिक मेधा का इस्तेमाल करके भारत की संपदा बढ़ा रहे हैं लेकिन हमारी सरकारों का दायित्व है कि इस बढ़ती हुई संपदा का लाभ आम जनता तक पहुंचे। यदि सरकार इस सर्वोच्च सत्य पर ध्यान नहीं देगी तो यह अमीरी और गरीबी की खाई इतनी गहरी होती चली जाएगी कि देश किसी भी दिन अराजकता में डूब सकता है। (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7174

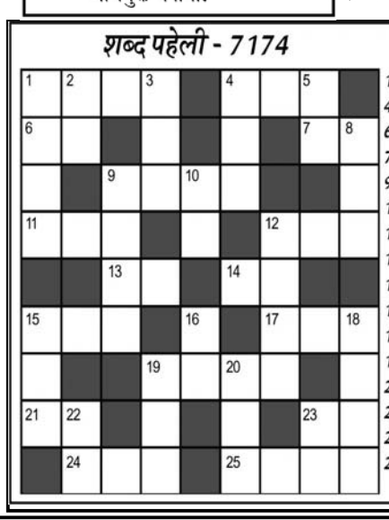

बाएँ से दाएँ

1.कलाकार,अदाकार-4
4.फूलों की छोटी माला,वेणी-3
6.पैर,पांव-2
7.अधिकार-2
9.खानाबदोश,बंजारा-4
11.राशन,खाद्य सामग्री-3
12.टेसू के फूल-3
13.कपोल,रुखसार-2
14.विजय-2
15.डोली उठाने वाले-3
17.जल प्रपात-3
18.गठबंधन-4
21.पानी,जल-2
23.नौका-2
24.देह,काया,शरीर-3
25.अगुवा,राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1.उपवास का खाना-4
2.झुका हुआ-2
3.व्यवहार-3
4.समयघोष-3
5.मार्ग,पथ-2
8.गागर,घड़ा,घट-3
9.स्मारक-4
10.हत्या,कत्ल-2
12.पत्तों के गिरने का मौसम-4
15.कथा,गाथा-3
16.अष्टम-2
18.नामचीन-4
19.रवाना होना-3
20.विदूषक,मसखरा-3
22.ईश्वर,भगवान-2
23.बटन,स्विच-2

शब्द पहेली -7173 का हल

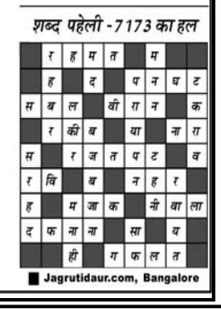

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

मिताली और झूलन आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय टीम में शामिल

दुबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान मिताली राज और अनुभवी गेंदबाज झूलन गोस्वामी को एकदिवसीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के कारण आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम में उन खिलाड़ियों को जगह मिलती है जिन्होंने कैलेंडर वर्ष में मैदान पर अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया हो। मिताली ने इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्युमोंट के समान रन बनाए और दोनों का औसत भी समान रहा। मिताली ने हालांकि उस समय 503 रन का योगदान दिया जब भारतीय टीम एक इकाई के रूप में जूझ रही थी जिसके कारण उनका योगदान अधिक अहम रहा।

वहीं लंबे समय से भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण की प्रभावी रही 39 साल की झूलन अब भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित कर रही हैं। झूलन ने बीते साल 3.77 की शानदार इकोनॉमी दर के साथ 15 विकेट लिए हैं। आईसीसी ने इस भारतीय गेंदबाज की तारीफ करते हुए कहा कि यह अनुभवी तेज गेंदबाज रन गति पर अंकुश लगाने के साथ विकेट हासिल करने में भी सक्षम है और वह किसी भी टीम के लिए अहम खिलाड़ी हैं। एकदिवसीय क्रिकेट में 340 विकेट लेने वाली झूलन आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी भी हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट की अगुआई वाली टीम में मिताली और झूलन दो भारतीय खिलाड़ी हैं. टीम में दक्षिण अफ्रीका की तीन खिलाड़ियों को जगह मिली है जबकि इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की दो-दो और ऑस्ट्रेलिया की

दूसरा मैच जीतकर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

दोपहर 2 बजे से शुरू होगा मैच

पार्ल (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां मेजबान दक्षिण अफ्रीका को दूसरे एकदिवसीय मैच में हराकर तीन मैचों की इस सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले ही मैच में 31 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इससे वह सीरीज में 1-0 से पीछे होने के कारण दबाव में हैं, ऐसे में भारतीय टीम को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ पदर्शन करना होगा। पहले मैच में शिखर धवन और पूर्व कप्तान विराट कोहली को छोड़कर टीम के अन्य प्रमुख बल्लेबाज नाकाम रहे थे। कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल के लिए अब यह मैच आसान नहीं रहेगा। इसमें राहुल की कप्तानी की भी समीक्षा होगी। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इससे पहले टेस्ट सीरीज के दौरान भी उन्हें दूसरे मैच में कप्तानी का मौका मिला था। उस मैच में भी भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा वह इन दोनो ही मैचों में बल्लेबाजी में भी नाकाम रहे हैं।

पहले एकदिवसीय मैच में जहां भारतीय बल्लेबाज नाकाम रहे , वहीं गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाये। बल्लेबाजी के दौरान टीम के लिए मध्यक्रम अब भी परेशानी का कारण बना हुआ है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने पारी की शुरुआत करते हुए अर्धशतक लगाकर अच्छी वापसी की। विराट के साथ उनकी अच्छी साझेदारी हुई पर इन दोनो के पवेलियन लौटने के बाद भारतीय बल्लेबाजी क्रम ढ़ह गया। निचले क्रम के बल्लेबाजों शार्दुल ठाकुर ने नाबाद 50 और जसप्रीत बुमराह ने नाबाद 14 रन बनाकर अच्छा प्रयास किया पर ये जीत के लिए पर्याप्त नहीं था।

पहले मैच में मेजबान टीम ने भारतीय टीम को हर क्षेत्र में मात दी। इस मैच में भारतीय टीम की कप्तानी कर रही लोकेश राहुल अपने एक फैसले के कारण भी निशाने पर रहे। युवा ऑलराउंडर वेंकेटश अय्यर को एक भी ओवर गेंदबाजी नहीं दी गयी जबकि अन्य गेंदबाज नाकाम साबित हो रहे थे। स्पिनर युजवेंद्र चहल और शार्दुल ठाकुर पर दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज हावी थे। इसके बाद भी वेंकटेश को छठे गेंदबाज के रूप में गेंदबाजी के लिए नहीं कहा गया। राहुल ने गेंदबाजी में भी ऐसे बदलाव नहीं किए जिससे लगे कि वह रणनीतिक रूप से कप्तानी के लिए सक्षम हैं। इसके विपरीत दक्षिण अफ्रीका ने रणनीतिक प्रयोग के तौर पर एडेन मार्कराम से गेंदबाजी की शुरुआत कराई और वह राहुल को आउट कर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने में सफल रहे। युवा श्रेयस अय्यर अब भी शार्ट पिच गेंदों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये जबकि उनसे काफी उम्मीदें थीं। अब उन्हें दूसरे मैच में टिककर बल्लेबाजी करनी होगी। शार्दुल ने साहसिक बल्लेबाजी करते हुए कठिन समय में अर्धशतक लगाया पर गेंदबाजी में वह विफल रहे।

शार्दुल ने 10 ओवर में 72 रन दिये। वहीं भुवनेश्वर कुमार की वापसी भी अच्छी नहीं रही। पहले मैच में भारतीय टीम के स्पिनर आर अश्विन और यजुवेन्द्र चहल प्रभावित नहीं कर पाये और केवल एक विकेट ले सके जबकि मेजबान टीम की ओर से मार्कराम, तबरेज शम्सी और केशव महाराज ने चार विकेट लिए। ऐसे में अब दूसरे मैच में भारतीय स्पिनरों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। वहीं दूसरी ओर पहले मैच में मिली जीत से उत्साहित मेजबान टीम इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। उस घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा। इसके साथ ही उसके कप्तान तेम्बा बावुमा अच्छे फार्म में हैं और पहले मैच की तरह ही दूसरे मैच में भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। टीम के पास काफी अच्छे गेंदबाज हैं जिसका लाभी भी उसे मिलेगा

वनवेब और ह्यूजेस ने भारत में उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवा देने किया समझौता

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारती समूह द्वारा समर्थित कंपनी वनवेब और उपग्रह सेवा प्रदाता कंपनी ह्यूजेस नेटवर्क सिस्टम्स ने भारत में उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवा प्रदान करने के लिए छह वर्ष का रणनीतिक वितरण समझौता किया है। दोनों कंपनियों ने एक संयुक्त वक्तव्य में कहा कि ह्यूजेस और भारती एयरटेल का संयुक्त उपक्रम ह्यूजेस कम्युनिकेशंस इंडिया प्रालि (एचसीआईपीएल) भारत में सेवाएं प्रदान करेगा। कंपनियों ने इस बाबत समझौता ज्ञापन पर सितंबर 2021 में हस्ताक्षर किए थे। वनवेब ने बीते 27 दिसंबर को एक और उपग्रह प्रक्षेपित कर अपनी क्षमता में इजाफा किया था। वनवेब के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि वनवेब भारत में गेटवेज और पीओपी जैसी अवसंरचना स्थापित करने के लिए निवेश करेगा।

बाइडन की धमकी- यूक्रेन पर हमला किया तो पछताएंगे पुतिन

-अमेरिका और रूस के बीच बढ़ता जा रहा है जंग का खतरा

-ब्रिटेन ने रूसी टैंकों से मुकाबले के लिए एंटी टैंक वेपन्स यूक्रेन भेजे

वॉशिंगटन(ईएमएस)। यूक्रेन को लेकर अमेरिका और रूस के बीच जंग का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसे लेकर अब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को धमकी दे दी है। बाइडन ने कहा कि उन्हें लगता है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर आक्रमण का आदेश देंगे। अमेरिका की डिप्लोमेसी और प्रतिबंध लगाने की धमकी भी रूसी नेता को यूक्रेन में सैनिक भेजने से नहीं रोक पाएगी। और अगर पुतिन ऐसा करते हैं, तो बेशक बाद में जाकर उन्हे पछताना पड़ेगा।

व्हाइट हाउस में 2 घंटे लंबी चली न्यूज कॉन्फ्रेंस में जो बाइडन ने ये बातें कही हैं। बाइडन ने कहा, क्या मुझे लगता है कि वह (पुतिन) पश्चिम को टेस्ट करेंगे, अमेरिका और नाटो को टेस्ट करेंगे? हां, मुझे लगता है कि वह ऐसा करेंगे। लेकिन, उन्हें इसकी गंभीर कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्हें ऐसा करने पर पछतावा होगा।' बाइडन से जब पूछा गया कि क्या वह स्पष्ट रूप से इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि यूक्रेन पर आक्रमण होने वाला है? यूएस के राष्ट्रपति ने कहा, मेरा अनुमान है कि ऐसा होने वाला है। एक तरफ तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बाइडन से यूक्रेन के मसले पर बात कर रहे हैं, दूसरी तरफ रूसी फौज हमले की तैयारियां कर रही है। एम्बेसी को खाली कराया जाना इसी कड़ी में अहम कदम माना जा सकता है। हालांकि, रूस की फॉरेन मिनिस्ट्री ने कहा कि कीव में उसकी एम्बेसी पहले की तरह काम कर रही है। इससे पहले मंगलवार को न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि रूस बहुत गुपचुप तरीके से यूक्रेन को घेरने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रूस ने 60 बटालियन यूक्रेन के बॉर्डर पर तैनात की हैं। कुल मिलाकर रूसी सैनिकों की संख्या 77 हजार से एक लाख बताई जा रही है। हालांकि, एक महीने पहले पेंटागन ने यह संख्या एक लाख 75 हजार बताई थी। रूस की हरकतों पर अमेरिका और नाटो बहुत पैनी नजर रख रहे हैं। जवाबी तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। फिलहाल, अमेरिका के सहयोगी यूक्रेन की मदद कर रहे हैं। ब्रिटेन ने यूक्रेन की मदद के लिए अहम फैसला किया और इस पर अमल भी शुरू कर दिया। ब्रिटेन ने रूसी टैंकों के मुकाबले के लिए अपने एंटी टैंक वेपन्स यूक्रेन भेजना शुरू कर दिए हैं। कनाडा ने अपने सैनिकों की एक स्पेशल रेजीमेंट कीव भेज दी है। यूक्रेन जब सोवियत रूस का हिस्सा था तो राजधानी 'कीव' को 'रूसी शहरों की मां कहा जाता था। इससे समझा जा सकता है कि दोनों देशों में कितना गहरा जुड़ाव है। दूसरी वजह यह है कि यूक्रेन नॉर्थ अटलांटिक ट्रिटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) में शामिल हो सकता है जो रूस को पसंद नहीं। नाटो उन देशों का ग्रुप है जिसे अमेरिका ने कोल्ड वॉर के दौरान रूस के खिलाफ लड़ने के लिए बनाया था। इस संगठन में शामिल देश एक दूसरे को युद्ध जैसी परिस्थितियों में सैन्य मदद देते हैं। रूस को डर है कि यूक्रेन के नाटो में शामिल होने से अमेरिका को रूस के पड़ोस में दबदबा बनाने में मदद मिलेगी। इसी वजह से रूस और अमेरिका आमने-सामने आ गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी पर दिया जोर

जिनेवा (ईएमएस)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ठमहिला, शांति और सुरक्षाठ पर खुली बहस में दुनिया भर में स्थायी शांति को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं की भागीदारी और उनके खिलाफ हिंसा को समाप्त करने पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने शांति और सुरक्षा प्रक्रियाओं में महिलाओं को लक्षित करने वाली हिंसा बारे संबोधित करते हुए राजनीतिक प्रक्रियाओं और निर्णय लेने में महिलाओं की पूर्ण और सार्थक भागीदारी के लिए अपने दृढ़ समर्थन पर प्रकाश डाला।

तिरुमूर्ति ने कहा, भारत आज महिला विकास के प्रतिमान से महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ चुका है।ठ ठ2007 में, भारत ने लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के लिए पहली बार सभी महिला गठित पुलिस यूनिट को तैनात करके इतिहास रचा था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि इस इकाई ने लाइबेरिया में एक दशक तक सेवा की और अपने काम के माध्यम से इस बात का उदाहरण दिया कि कैसे महिला वर्दीधारी कर्मी यौन शोषण और दुर्व्यवहार से निपटने के प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र की मदद कर सकती हैं।

उन्होंने बताया कि भारत में जमीनी स्तर पर 1.3 मिलियन से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं। जिन्होंने अपने स्थानीय समुदायों में नेतृत्व की भूमिका निभाई है। यहां तक कि इसमें सभी महिला पंचायतें, ग्राम स्तर पर निर्वाचित स्थानीय निकाय, जमीनी स्तर पर हैं। बीस भारतीय राज्यों ने महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर विधायी निकायों में कुल सीटों के 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया है।भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भागीदारी का उदाहरण देकर भारतीय राजदूत ने कहा कि महिलाएं व्यावहारिक रूप से हर पहलू में सबसे आगे थीं।

टीका लगाने वाले ज्यादा सुरक्षित है टीका नहीं लगाने वाले

-डेल्टा वेव के दौरान किए गए अध्ययन में हुआ खुलासा

वाशिंगटन (ईएमएस)। एक ताजा अध्ययन में कहा गया है कि अमेरिका में डेल्टा वैरिएंट से आई कोरोना की लहर के दौरान, जिन लोगों ने टीका नहीं लिया था, लेकिन कोरोना संक्रमित हुए थे, वे उन लोगों के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित थे, जिन्होंने वैक्सीन लगवाई थी और पहले संक्रमित नहीं हुए थे। कोरोना से उबरने के बाद शरीर में बनने वाली नैचुरल इम्युनिटी (प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता) कोरोना वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा बेहतर होती है, इस बहस को और बल देती है।

शोध के लेखकों ने चेतावनी दी है कि टीकाकरण करवा चुके लोगों की तुलना में बिना टीका लेने वाले लोगों के अस्पताल में भर्ती होने, दीर्घकालिक प्रभाव और मौत होने का अधिक जोखिम होता है। यूएस सेंटर्स फॉर डिजिज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने बयान में कहा, ठवायरस लगातार स्वरूप बदल रहे हैं, जिसमें कोविड-19 का कारण बनने वाला वायरस भी शामिल हैठउसने कहा, ठवैक्सीनेशन से मिली सुरक्षा और संक्रमण के बाद मिली सुरक्षा के स्तर पर स्टडी की अवधि के दौरान बदलाव देखा गया है। हालांकि, कोविड-19 से बचाव के लिए टीकाकरण अब भी सबसे सुरक्षित रणनीति हैठ

यह विश्लेषण ओमिक्रॉन वैरिएंट के उदय से पहले किया गया था। ओमिक्रॉन वैरिएंट ने टीके और संक्रमण के बाद पैदा होने वाली इम्युनिटी दोनों कमतर दिखाते हुए लोगों को संक्रमण का शिकार बनाया। नए अध्ययन में 30 मई से 30 नवंबर, 2021 के बीच न्यूयॉर्क और कैलिफ़ोर्निया के मरीज़ों को शामिल किया गया

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 634 , निफ्टी 181 अंक गिरा

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस, टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों के नीचे आने से आई है। जानकारों के अनुसार घरेलू बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के पूंजी निकालने से भी बाजार धारणा पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 634.20 अंक करीब 1.06 फीसदी नीचे आकर 59,464.62 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 181.40 अंक तकरीबन 1.01 फीसदी फिसलकर 17,757.00 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.57 फीसदी की गिरावट बजाज फिनसर्व के शेयर में रही। इसके अलावा इन्फोसिस, टीसीएस, सन फार्मा, एचसीएल टेक, एचयूएल, डॉ. रेड्डीज, एचडीएफसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी नीचे आये है। वहीं दूसरी ओर पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, मारुति और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर ऊपर आये हैं।

इससे पहले सुबह एशियाई बाजारों में मिलेजुले रूख, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और इंफोसिस, एचसीएल टेक तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े शेयरों के नुकसान से बाजार गिरावट के साथ खुला।सेंसेक्स में 160 अंक से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी नीचे आये। सबसे अधिक गिरावट इंफोसिस में हुई। इसके अलावा एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, विप्रो, एचडीएफसी तथा टीसीएस भी घाटे में थे। दूसरी तरफ पॉवरग्रिड, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, टाइटन और एक्सिस बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे। पिछले सत्र में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 656.04 अंक की गिरावट के साथ 60,098.82 अंक पर बंद हुआ था। सात जनवरी के बाद सेंसेक्स का यह निचला स्तर रहा।

डरा पाकिस्तान आतंकी हमले के शिकार चीनीयों को देगा अरबों मुआवजा

-इमरान के इस कदम को चीन को मनाने के तौर पर देखा जा रहा है

बीजिंग(ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले साल आतंकी हमले का शिकार 36 चीनी नागरिकों को इमरान सरकार मुआवजा देगी। कहा गया कि जो पिछले साल अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आतंकवादी हमले में या तो मारे गए या घायल हो गए थे। समझा जाता है कि चीन के आर्थिक गुलाम बनते जा रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ड्रैगन की धमकी से डर गए हैं, उनके इस कदम को चीन को मनाने के तौर पर देखा जा रहा है।

गौरतलब है कि पिछले साल 13 जुलाई को, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दसू जलविद्युत परियोजना के कार्य स्थल पर ले जा रही एक बस पर आत्मघाती हमले के बाद 10 चीनी नागरिक मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर इंजीनियर थे और 26 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वित्त मंत्री शौकत तारिन की अध्यक्षता वाली पाकिस्तान की आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) इन चीनी पीड़ितों को भुगतान की जाने वाली मुआवजे की रकम पर फैसला करेगी, जो 4.6 मिलियन अमरीकी डालर से शुरू होकर 20.3 मिलियन अमरीकी डालर तक होगी। दासू पनबिजली परियोजना के लिए विश्व बैंक पैसा दे रहा है और ये चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के दायरे में नहीं आता है। कहा गया है कि मुआवजे के भुगतान का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ी अड़चन को दूर करना है। पैसे-पैसे को मोहताज पाकिस्तान नकदी की तंगी से जूझ रहा है और पाकिस्तान कानूनी रूप से या समझौते की शर्त के रूप में मुआवजा देने के लिए बाध्य नहीं था। इसके बाद भी इमरान खान सरकार चीनी धमकी के आगे झुक गई और अब अरबों रुपये मुआवजा देगी। इमरान खान सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बेइज्जती से बचने के लिए पहले इस घटना को गैस लीकेज करार दिया था जिससे चीन भड़क गया था और और सीपीईसी की संयुक्त सहयोग समिति की एक निर्धारित बैठक रद्द कर दी। आतंकवादी हमले के बाद, चीनी ठेकेदारों ने भी परियोजना पर काम बंद कर दिया था और 37 मिलियन अमरीकी डालर के मुआवजे की मांग की थी, जो कि चीन में हमला होने पर चीनी सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली राशि से 500 प्रतिशत अधिक थी।

अगले हफ्ते से मास्क फ्री होगा ब्रिटेन, चरम पर ओमिक्रॉन:सरकार

-सेल्फ-आइसोलेशन नियमों को रिन्यू नहीं करने की संभावना

लंदन(ईएमएस)। अगले हफ्ते से मास्क फ्री होगा ब्रिटेन, यानि अगले सप्ताह से लोगों को मास्क पहनने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कोविड संबंधी नियमों में ढील देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिकों का मानना है कि कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की लहर देशभर में अपने चरम पर पहुंच चुकी है। इस दौरान उन्होंने सेल्फ-आइसोलेशन के लिए कड़े नियमों को रिन्यू नहीं करने की संभावना भी जताई। मौजूदा सेल्फ आइसोलेशन नियम मार्च में खत्म हो रहे हैं। इससे पहले हाउस ऑफ कॉमन्स में सांसदों को दिए बयान में प्रधानमंत्री ने कहा था कि नाइट क्लब और बड़े कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोविड पासपोर्ट की जरूरत खत्म होगी।

हालांकि, संगठन चाहें, तो एनएचएस कोविड पास का इस्तेमाल कर सकते हैं। लोगों को घर से काम करने की सलाह नहीं दी जाएगी। फेस मास्क जरूरी नहीं होगा, लेकिन लोगों को बंद या भीड़ वाली जगहों पर चेहरा कवर करने की सलाह दी जा रही है। इसके अलावा गुरुवार से माध्यमिक स्कूल वाले बच्चों को क्लास में मास्क नहीं पहनना होगा। पीएम जॉनसन ने कहा था कि आने वाले दिनों में यात्रा नियमों और इंग्लैंड में केयर होम विजिट को लेकर भी जारी पाबंदियों में ढील की घोषणा की जाएगी। पीएम ने यह भी कहा कि सरकार का इरादा कोविड संक्रमित होने वालों को अपने आप आइसोलेट होने में कानूनी जरूरतों को खत्म करने का है। उन्हें बताया कि इसे सलाह और मार्गदर्शन के साथ बदल दिया जाएगा। सेल्फ आइसोलेशन को जारी नियम 24 मार्च को समाप्त हो रहे हैं। डाउनिंग स्ट्रीट प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वास्थ्य सचिव साजिद जावेद ने कहा, यह वह क्षण है, जिसपर हम गर्व कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'यह याद दिलाता है कि जब हम साथ मिलकर काम करें, तो देश लक्ष्य हासिल कर सकता है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इसे 'फिनिश लाइन' या अंतिम रेखा भी नहीं मानना चाहिए, क्योंकि वायरस और भविष्य में आने वाले वेरिएंट्स को खत्म नहीं किया जा सकता। जावेद ने कहा कि इसके बजाए हम जिस तरह फ्लू के साथ जीना सीख चुके हैं, उसी तरह कोविड के साथ जीना भी सीखना होगा।

भारत में पिछले साल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 26 फीसदी घटा: रिपोर्ट

- कोविड-19 की दूसरी लहर का भारत की आर्थिक गतिविधियों पर बहुत असर पड़ा

संयुक्त राष्ट्र (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र की कारोबार संबंधी संस्था ने कहा है कि 2021 में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 26 फीसदी कम रहा क्योंकि 2020 में जो बड़े विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) सौदे हुए थे वे 2021 में नहीं हुए। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के निवेश रूझान मॉनिटर ने कहा कि 2021 में वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 77 फीसदी बढ़कर कोविड-19 से पहले के स्तर से भी अधिक अनुमानित 1650 अरब डॉलर तक पहुंच गया जो 2020 में 929 अरब डॉलर था। यूएनसीटीएडी की महासचिव रेबेका ग्रिन्सपन ने कहा ?कि विकासशील देशों में निवेश प्रवाह उत्साहजनक है लेकिन न्यूनतम विकसित देशों में उद्योगों में नए निवेश में ठहराव चिंता का प्रमुख विषय है। रिपोर्ट में कहा गया कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में एफडीआई में अब तक का सबसे बड़ा उछाल आया है और यहां एफडीआई 2021 में अनुमानित 777 अरब डॉलर पहुंच गया जो 2020 के मुकाबले तीन गुना है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में एफडीआई प्रवाह 30 फीसदी वृद्धि के साथ करीब 870 अरब डॉलर हो गया जबकि दक्षिण एशिया में यह 24 फीसदी गिरकर 2021 में 54 अरब डॉलर रहा। अमेरिका में एफडीआई 114 फीसदी वृद्धि के साथ 323 अरब डॉलर पहुंच गया।

रिपोर्ट में कहा गया है ?कि भारत में एफडीआई प्रवाह 26 फीसदी कम रहा क्योंकि 2020 में जो एमएंडए सौदे हुए थे वे 2021 में नहीं हुए। भारत में 2020 में एफडीआई 27 फीसदी बढ़कर 64 अरब डॉलर था जो 2019 में 51 अरब डॉलर था। रिपोर्ट मे कहा गया कि कोविड-19 की दूसरी लहर का भारत की आर्थिक गतिविधियों पर बहुत असर रहा और अप्रैल 2021 में दूसरी लहर के कारण भारत में ग्रीनफिल्ड परियोजनाएं 19 फीसदी संकुचन के साथ 24 अरब डॉलर हो गईं। यूएनसीटीएडी में निवेश एवं उद्यम निदेशक जेम्स झान ने कहा ?कि विनिर्माण और वैश्विक मूल्य श्रंखला (जीवीसी) में नए निवेश का स्तर कम रहा क्योंकि दुनिया वैश्विक महामारी से जूझ रही थी और इसका दूसरा कारण था भूराजनीतिक तनाव बढ़ना। जह से वेरिजोन और एटीएंडटी ने एयरपोर्ट के आसपास 5जी सेवाओं की लान्चिंग को फिलहाल टाल दिया है।

व्हाट्सऐप मैसेज में इस्लाम का अपमान, महिला को मौत की सजा

-रावलपिंडी की अदालत ने फारूक हसनात की शिकायत पर यह फैसला सुनाया

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान में एक महिला को ईशनिंदा यानी इस्लाम का अपमान करने के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई है। आरोपी महिला का नाम अनिका अतीक है। उनके खिलाफ 2020 में ईशनिंदा मुकदमा दर्ज कराया गया था। रावलपिंडी की अदालत ने फारूक हसनात की शिकायत पर यह फैसला सुनाया है। अनिका अतीक पर तीन आरोप सही सिद्ध हुए हैं। पहला- मोहम्मद साहब की अवमानना, दूसरा- इस्लाम का अपमान और तीसरा- साइबर कानूनों का उल्लंघन। अनिका और फारूक पहले दोस्त हुआ करते थे। लेकिन किसी बात पर उनका झगड़ा हो गया। तभी गुस्से में अनिका ने फारूक को वॉट्सऐप मोहम्मद साहब और इस्लाम की अवमानना वाले संदेश भेजे थे।

खबर की मानें को फारूक ने पहले अनिका से अपनी गलती के लिए माफी मांगने के लिए कहा था। साथ ही, अपने सभी वॉट्सऐप मैसेज डिलीट करने के लिए भी कहा। लेकिन जब वह नहीं मानीं तो फारूक ने शिकायत दर्ज करा दी। इसकी जांच में अनिका के खिलाफ शिकायत सही पाई गई। लिहाजा, अदालत में केस दर्ज करा दिया गया। गौरतलब है कि पाकिस्तान में ईशनिंदा कानून बहुत सख्त है। सैन्य तानाशाह जनरल जिया-उल-हक ने 1980 के दशक में यह कानून देश में लागू किया था। पाकिस्तान में ईशनिंदा के संदेह में लोगों के मारे जाने की घटनाएं भी लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले साल ही श्रीलंका के एक नागरिक को ऐसे ही आरोप के संदेह में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था। मारे गए श्रीलंकाई नागरिक सियालकोट में काम करते थे। बीते दिसंबर में ही पाकिस्तान के चारसद्दा जिले के रहने वाले बशीर मस्तान नामक व्यक्ति को ईशनिंदा का दोषी ठहराया है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की अदालत ने इंटरनेट पर वीडियो अपलोड कर ईशनिंदा करने का आरोप लगाते हुए उसे मौत की सजा सुनाई है। साथ ही, उस व्यक्ति पर 100,000 पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया गया था।

गणतांत्रिक देश घोषित होने के बाद बारबाडोस में मध्यावधि चुनाव

-मिया मॉटली दूसरी बार प्रधानमंत्री पद के लिये आजमा रही हैं किस्मत

ब्रिजटाउन(ईएमएस)। कैरेबियाई क्षेत्र के देश बारबाडोस के पिछले साल के अंत में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय से संबंध खत्म करने के बाद मध्यावधि आम चुनाव में प्रधानमंत्री तथा बारबाडोस लेबर पार्टी की नेता मिया मॉटली दूसरी बार इस पद के लिये अपनी किस्मत आजमा रही हैं। वह साल 2018 में चुनाव जीतकर देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थीं। मॉटली का मुकाबला डेमोक्रेटिक लेबर पार्टी की नेता वर्ला डि पेजा और अलायंस पार्टी फॉर प्रोग्रेस के नेता जोसेफ आर्थरली से है। मॉटली और डि पेजा की पार्टियों ने हाउस ऑफ असेंबली की सभी 30 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं जबकि आर्थरली की पार्टी ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं।

हाउस ऑफ असेंबली बारबाडोस की संसद का निचला सदन है। इसमें बहुमत हासिल करने के लिये 16 सीटों की जरूरत होती है। वहीं 21 सदस्यीय सीनेट के लिये चुनाव नहीं हुए हैं क्योंकि हाल में नियुक्त राष्ट्रपति ने इन सदस्यों की नियुक्ति की है। बारबाडोस ने पिछले साल के अंत में ब्रिटिश महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को राष्ट्राध्यक्ष पद से हटाने और राजशाही से रिश्ता तोड़ने के बाद खुद को गणतांत्रिक देश घोषित किया था और सांद्रा मैसन को देश की पहली राष्ट्रपति नियुक्त किया गया था। बारबाडोस 1966 में ब्रिटेन से आजाद हुआ था।

डिजिटल भुगतान सितंबर 2021 में 40 फीसदी बढ़ा: आरबीआई

मुंबई (ईएमएस)। देश भर में डिजिटल भुगतान सितंबर 2021 में सालाना आधार पर करीब 40 प्रतिशत बढ़ गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारि ?किए गए डिजिटल भुगतान आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2021 में सालाना आधार पर डिजिटल भुगतान सूचकांक (डीपीआई) बढ़ा है। इसके मुताबिक सितंबर 2021 में आरबीआई-डीपीआई 304.04 पर रहा जबकि मार्च 2021 में यह 270.59 और सितंबर 2020 में 217.74 पर रहा था। आरबीआई ने कहा ?कि डीपीआई सूचकांक से पता चलता है कि देश भर में डिजिटल भुगतान में तेजी से वृद्धि हो रही है। आरबीआई ने अपना डिजिटल भुगतान सूचकांक शुरू करते हुए मार्च 2018 को आधार वर्ष घोषित किया था। मार्च 2021 से ही आरबीआई यह सूचकांक छमाही आधार पर चार महीने के अंतराल से जारी कर रहा है।

दिसंबर में घरेलू उड़ानों से 1.12 करोड़ लोगों ने की हवाई यात्रा

नई दिल्ली (ईएमएस)। ?पिछले साल दिसंबर म?हिने में लगभग 1.12 करोड़ घरेलू यात्रियों ने ?विमान यात्रा की। यह संख्या नवंबर, 2021 की तुलना में 6.7 प्रतिशत अधिक है। नवंबर में 1.05 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की थी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने यात्रियों की मासिक संख्या का ब्योरा जारी करते हुए कहा कि बीते साल के दौरान देश में कुल मिलाकर 8.38 करोड़ लोगों ने घरेलू उड़ानों के जरिये यात्रा की। वहीं 2020 में कुल 6.3 करोड़ घरलू यात्रियों ने हवाई सफर किया था। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो से दिसंबर में सबसे अधिक 61.41 लाख यात्रियों ने यात्रा की। इंडिगो की इस दौरान घरेलू बाजार में हिस्सेदारी 54.8 प्रतिशत की रही। डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार गो फर्स्ट (पूर्व में गो एयर) ने दिसंबर, 2021 के दौरान 11.93 लाख और स्पाइसजेट ने 11.51 लाख यात्रियों को हवाई सफर कराया। इसके अलावा एयर इंडिया, विस्तार, एयरएशिया इंडिया और अलायंस एयर के यात्रियों की संख्या क्रमश : 9.89 लाख, 8.61 लाख, 7.01 लाख और 1.25 लाख रही।

इंडोनेशिया की संसद से देश की नई राजधानी बनाने वाले कानून को मिली मंजूरी

- नई राजधानी नुसंतारा होगी, नई राजधानी बनाने करीब 32 अरब डॉलर होंगे खर्च

जकार्ता (ईएमएस)। इंडोनेशिया की संसद ने देश की नई राजधानी बनाने वाले कानून को मंजूरी दे दी है। यहां की मौजूदा राजधानी जकार्ता के डूबने का खतरा बढ़ गया है। साथ ही यह काफी प्रदूषित हो चुका है। यहां बार-बार बाढ़ आती है और शहर अक्सर डूब जाता है। इससे सरकार के कामकाज पर भी असर होता है। राष्ट्रीय राजधानी बिल पास हो गया। इसके तहत अब नई राजधानी नुसंतारा होगी। यह बोर्नियो द्वीप के हिस्से में मौजूद पूर्वी कालीमंतन में होगी। बिल में बताया गया है कि नई राजधानी बनाने के लिए करीब 32 अरब डॉलर किस तरह खर्च किए जाएंगे। प्रधानमंत्री सुहार्सो मोनॉर्फा ने कहा कि नई राजधानी देश की पहचान होगी। उन्होंने कहा ?कि 'नई राजधानी का मुख्य मकसद होगा कि यह देश की पहचान बनेगी। यह आर्थिक तरक्की का केंद्र भी बनेगी। मौजूदा राजधानी जकार्ता बेहद घनी आबादी वाला शहर हो चुका है। इससे वहां मूलभूत सुविधाओं पर जरूरत से ज्यादा बोझ पड़ रहा है। यह समुद्र के पास है। इसके बाढ़ में डूबने का खतरा हमेशा बना रहता है। एक रिपोर्ट में इसे दुनिया का सबसे तेजी से डूबता शहर भी बताया गया है।

नई राजधानी जावा की सबसे अधिक आबादी वाले द्वीप पर होगी। इसका नाम बोर्नियो है, जो एशिया का सबसे बड़ा द्वीप है। बताया जाता है कि इसके अलग-अलग हिस्से मलेशिया, ब्रूनेई और इ

गुजरात में 24485 नए मरीज, राज्य में एक्टिव केसों की संख्या एक लाख के पार

अहमदाबाद (ईएमएस) पिछले 24 घंटों में गुजरात में कोरोना के 24485 नए मरीज सामने आए हैं और 10310 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए जबकि 13 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई राज्य में कोरोना के एक्टिव केसों का आंकड़ा एक लाख को पार कर गया है गुरुवार को राज्यभर में 2.47 लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया गया स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक कोरोना के पॉजिटिव केस अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में सामने आए हैं अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 9837, सूरत कॉर्पोरेशन में 2981, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2823, राजकोट कॉर्पोरेशन में 1333 सूरत में 728, आणंद में 558, भावनगर कॉर्पोरेशन में 529, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 509, जामनगर कॉर्पोरेशन में 471, वलसाड में 446, भरुच में 408, वडोदरा में 371, मेहसाणा में 354, कच्छ में 346, नवसारी में 297, गांधीनगर में 225, मोरबी में 206, राजकोट में 188, पाटन में 180, बनासकांठा में 174, सुरेन्द्रनगर में 156, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 129, अमरेली में 128, जामनगर में 128, अहमदाबाद में 120, पोरबंदर में 117, खेडा में 112, साबरकांठा में 111, पंचमहल में 110, दाहोद में 82, तापी में 70, भावनगर में 58, देवभूमि द्वारका में 45, गिर सोमनाथ में 40, जूनागढ़ में 30, महीसागर में 24, अरवल्ली में 18, बोटाद में 15, नर्मदा में 14, डांग में 9 और छोटाउदेपुर में 5 समेत राज्यभर में 24485 नए केस दर्ज हुए वहीं 10310 लोगों को डिस्चार्ज किए जाने के साथ ही राज्य में कोरोना से अब तक 886476 लाख लोग ठीक हो चुके हैं गुरुवार को अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 7, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, जामनगर कॉर्पोरेशन में 1, गांधीनगर में 1, राजकोट में 1, खेडा में 1 समेत राज्य में कोरोना से 13 मरीजों की मौत हो गई कोरोना राज्य में अब तक 10199 लोगों को निगल चुका है गुजरात में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या 104888 पर पहुंच गई है जिसमें 104732 स्टेबल हैं और 156 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं गुरुवार को राज्य में 247111 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया जिसमें 18 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 429 लोगों को दूसरा टीका लगाया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 6509 को कोरोना का पहला और 28491 को दूसरा डोज दिया गया 18 से 45 वर्षीय आयु समूह के 32710 को पहला और 76785 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई 15 से 18 वर्षीय 37492 किशोरों को कोरोना का पहला टीका लगाया गया जबकि 63677 नागरिकों को प्रिकॉशन डोज दिया गया

चुनावी मोड में गुजरात बीजेपी

पाटिल ने वर्चुअली ४० हजार कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

गांधीनगर, २० जनवरी।

भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात विधानसभा के आम चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने वर्चुअली ४०,००० मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जीत का मंत्र दिया। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बीजेपी ने इस साल दिसंबर में होने वाले आम चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है।

भारतीय जनता पार्टी ने युवाओं को जोड़ने के लिए युवा मित्र अभियान शुरू किया गया है। इसके अलावा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए एक के बाद एक कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने वर्चुअली ४०,००० मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जीत का मंत्र दिया। बीजेपी ने खासकर जमीनी स्तर से अपनी तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए पेज प्रमुख समितियों को भी सक्रिय होने का निर्देश दिया गया है। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल का जबाव देते हुए प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता हमेशा चुनाव के लिए तैयार रहते हैं। यही वजह है कि इतने सालों से बीजेपी लगातार कामयाबी हासिल करते हुए आ रही है।

गुजरात विधानसभा का चुनाव दिसंबर महीने में अपने तय समय पर होंगे। सीआर पाटिल के बाद २५ जनवरी को खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य के सभी पेज अध्यक्षों से बातचीत करने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नमो ऐप के द्वारा वर्चुअल संबोधित करेंगे। पार्टी के इस ऐप को अब तक करीब एक लाख लोग डाउनलोड कर चुके हैं।

चार पीएसआई, २ पीआई समेत कई अन्य संक्रमित

कोरोना के शिकंजा में अहमदाबाद पुलिस

अहमदाबाद, २० जनवरी।

अब गुजरात में कोरोना की तीसरी लहर घातक बनती जा रही है। पिछले २४ घंटों में करीब २१००० नए केस सामने आए है। इसके अलावा कोरोना की वजह से १२ लोगों की मौत भी दर्ज की गई है।

दैनिक मामलों में जारी वृद्धि के बाद विभिन्न शहरों में स्पेशियल कोविड-१९ केयर सेंटर वापस शुरू कर दिए गए। अहमदाबाद में मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में अधिकारियों की बैठक हुई थी। जिसमें हिस्सा लेने वाले शहर के दो जेसीपी और २ डीसीपी समेत कुछ अधिकारी पॉजिटिव आए हैं। जिसके बाद सवाल खड़ा हो रहा है कि किसके आदेश पर बैठक का आयोजन किया गया था। जिसकी सरकार साफ कह चुकी है लोग भीड़भाड़ करने से बचें। अब शहर के तीन एसीपी, दो पीआई समेत ५३५ पुलिस कर्मचारी पॉजिटिव आये हैं। अहमदाबाद पुलिस विभाग में पिछले कुछ दिनों से कोरोना का कहर बढ़ता ही जा रहा है। कोरोना के बढ़ते कहर पर काबू पाने के लिए सरकार नियम बना रही है। लेकिन कोरोना नियमों का अब भी कुछ हद तक ही पालन किया जा रहा है। इस बीच अब जानकारी सामने आ रही है कि अहमदाबाद शहर के २ डीसीपी, ३ एसीपी, दो से ज्यादा पीआई कोविड पॉजिटिव मिले हैं। अब एसीपी में रीमा मुंशी, एआर जनकात सहित ३ हैं, जबकि पीआई में सोला पुलिस स्टेशन के पीआई जेपी जाडेजा. आनंदनगर के पीआई केएस पटेल हैं। जबकि उच्च अधिकारियों ने आईपीएस अधिकारियों के नामों का खुलासा नहीं किया गया है। अब उल्लेखनीय है कि, कुछ पुलिस कर्मचारियों और अधिकारियों के परिवार भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। अब इससे पहले गुजरात के डीजीपी आशीष भाटिया भी कोरोना की चपेट में आ गए थे।

दिल दहला देने वाली घटना

मां के शव को लिपटकर रोता रहा बंदर का बच्चा

बनासकांठा, २० जनवरी।

मातृप्रेम सिर्फ व्यक्ति ही बता सकता है यह कौन कहता है। कभी प्राणी भी मातृप्रेम की ऐसी भाषा समझा दे यह व्यक्ति से भी बेहतर साबित होता है। गुजरात में एक ऐसी घटना का विडियो सामने आया है, जिसमें एक बच्चा बंदर मातृप्रेम की परिभाषा समझा गया है। मां की मौत हुई तो बच्चा बंदर लिपटकर रोने लगा।

इसके बाद वह टेडी बियर को लिपटकर रोता रहा। बनासकांठा में जिले में बच्चा बंदर के मातृप्रेम का विडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। यह विडियो दांतीवाडा कृषि यूनिवर्सिटी निकट के होने का बताया जा रहा है। कृषि यूनिवर्सिटी के गेट निकट बिजली खंभे पर बैठा बच्चा बंदर और इसकी मां को बिजली करंट लगा था। घटना के दौरान बच्चा बंदर की मां की मौत हुई तो बच्चा बंदर को जीवदया प्रेमियों ने बचा लिया। बिजली खंभे पर बैठी मादा बंदर बिजली करंट से मरने पर बच्चा बंदर का मातृप्रेम देखकर सभी का दिल दहल उठा। विडियो में मृतक मां को लिपटकर बच्चा बंदर को प्रेम प्रदर्शित करता रहा। वहां वहां से हटने के लिए तैयार नहीं था।

बच्चा बंदर मृतक मां की अंतिम क्रिया बाद भी टेडी बियर को को माता समझकर लिपटा रहा। मृतक मां के साथ भावना प्रदर्शित करते हुए बच्चा बंदर को देखकर सभी का दिल दहल उठा।

शादी की लालच देकर युवक ने विवाहिता से किया दुष्कर्म, तलाक के बाद युवक ने शादी से इंकार

सूरत (ईएमएस) शहर के सरथाणा क्षेत्र में शादी की लालच देकर युवक ने विवाहिता के साथ अनेकों बार दुष्कर्म किया पति को जब पत्नी के नाजायज संबंधों को पता चला तो उसने तलाक दे दिया तलाक के बाद विवाहिता ने युवक से जब शादी करने को कहा तो उसने इंकार कर दिया आखिरकार विवाहिता ने युवक के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है सूरत के सरथाणा क्षेत्र में 28 वर्षीय महिला पति और दो संतानों के साथ रहती थी विवाहिता के पड़ौस में सूरत के मोटा वराछा क्षेत्र के शिवधारा एपार्टमेंट रहनेवाला राहुल जवाणी नामक युवक अक्सर आया जाया करता था जहां विवाहिता का राहुल जवाणी के साथ परिचय हुआ और दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई, जो प्यार में बदल गई एक दिन राहुल जवाणी ने विवाहिता को शादी की लालच देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए ऐसा एक बार नहीं कई दफा हुआ एक दिन पति को पत्नी के नाजायज संबंधों का पता चल गया, जिसके बाद दोनों के बीच आए दिन लड़ाई-झगड़ा शुरू हो गया तंग आकर दोनों ने डिवोर्स ले लिया डिवोर्स के बाद विवाहिता ने जब राहुल जवाणी से शादी की बात की तो उसने इंकार कर दिया शादी की लालच देकर कई दफा दुष्कर्म करने वाले राहुल जवाणी के इंकार से विवाहिता टूट गई और उसके खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है

बस नॉन एसी थी तो बस में ब्लास्ट की वजह क्या?

बस में आग लगने की घटना में सामने आया खुलासा

सूरत, २० जनवरी।

सूरत में लग्जरी बस में आग लगने के मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। बस में आग कैसे लगी इस रहस्य से पर्दा अभी तक नहीं हटा है। लेकिन जानकारी सामने आ रही है कि बस नॉन एसी थी तो बस में ब्लास्ट की वजह क्या थी? अब एफएसएल और पुलिस की जांच में कांच और हीरे की सफाई में इस्तेमाल होने वाला तरल पाया गया है। जिसकी वजह से पुलिस अब इस दिशा में जांच कर रही है इसके अलावा एफएसएल की टीम को सीरम की बोतलें भी मिली हैं। मृतक तान्या और उसका पति विशाल जिस सीट पर थे ठीक उसी के नीचे धमाका हुआ था। इसलिए लग्जरी बस में शीशे और हीरे की सफाई करने वाले लिक्विड से ब्लास्ट होने की प्रबल संभावना है। अब फिलहाल पुलिस मामला दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है। सूरत में योगी चौक के पास एक लग्जरी बस में आग लग गई। आग लगने की वजह से एसी का कंप्रेसर फट गया, जिससे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। बस में डबल सीट वाले केबिन में बैठे दंपती में से युवक बाहर निकलने में कामयाब हो गया, लेकिन महिला केबिन में फंसी रह गई, जिसकी वजह से महिला आग की चपेट में आ गई थी। मिल रही जानकारी के अनुसार भावनगर जा रही लग्जरी बस में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से अचानक ही आग लग गई। आग लगने के बाद बस का पिछला हिस्सा फट गया। बस में १२२ स्लीपिंग एसी सिस्टम था। अब अचानक बस में लगने वाली आग की वजह से महिला केबिन से बाहर निकल नहीं पाई और देखते ही देखते वह जिंदा जलकर राख हो गई। बस में मोबाइल चार्जिंग यूनिट भी था।

अब आग फैलने की वजह से बस के निचले हिस्से का तापमान बढ़ गया जिसकी वजह से एसी का कंप्रेसर भी फट गया और आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था।

रेल प्रशासन द्वारा जनता से पटरियों के ऊपर लगे बिजली के हाई वोल्टेज तारों से सावधान रहने तथा रेलगाड़ी की छत पर यात्रा न की अपील

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि समूचे राजकोट मंडल पर ओवरहेड वोल्टेज विद्युत तारों के जरिए 25000 वोल्ट पर रेलवे ट्रैक को विद्युतकृत किया जा रहा है। रेल प्रशासन द्वारा जनता से अपील की जा रही है कि वे रेलवे पटरी के ऊपर लगे बिजली के हाई वोल्टेज तारों और उनकी फिटिंग्स से दूर रहें अन्यथा मानव जीवन को क्षति पहुंच सकती है। इन तारों को बांस की बल्लियाँ अथवा धातु की छड़ी इत्यादि से न छुएँ और न ही इन पर पानी की धार छोड़ें। बिजली की तारों में 25000 वोल्ट का करंट जा रहा है, कृपया रेलगाड़ी की छत पर यात्रा न करें। ऐसा करना दंडनीय अपराध है एवम् यह जानलेवा भी हो सकता है। विद्युतिकरण के कार्ये से जुड़े हुए रेलकर्मियों को कार्य के दौरान रखने वाली सावधानियों के बारे में अवगत कराया जा रहा है। साथ ही रेल यात्रियों में इससे संबन्धित जागरूकता लाने हेतु स्टेशनों पर उधघोषणा भी की जा रही है।

स्वतंत्रता का भव्य इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को हमें नई पीढ़ी तक पहुंचाना है: मुख्यमंत्री

- पीएम मोदी ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रम का किया राष्ट्रीय शुभारंभ

- मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुए कार्यक्रम में शरीक

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की ओर से प्रजापिता ब्रह्मा की 53वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' कार्यक्रम का गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम को स्वर्णिम भारत की भावना और प्रेरणा से ओतप्रोत करार दिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र, केंद्रीय मंत्री जी.किशन रेड्डी, भूपेंद्र यादव, अर्जुन मेघवाल, पुरुषोत्तम रुपाला और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आदि के साथ वर्चुअल तरीके से हिस्सा लिया। भूपेंद्र पटेल ने समाज जीवन में मन की शांति, चित्त की स्थिरता, आत्मा की शुद्धि और व्यवहार में पवित्रता के लिए ब्रह्माकुमारीज के बंधु-भगिनियों और अनुयायियों के योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरक मार्गदर्शन में स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है, तब ब्रह्माकुमारीज का यह कार्यक्रम इसमें नया जोश भरेगा। उन्होंने कहा कि यह अमृत महोत्सव इतिहास के संस्मरणों के साथ वर्तमान का पथ प्रशस्त कर स्वतंत्रता की शताब्दी के उत्सव की राह दिखाने का अवसर बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी स्वतंत्रता का भव्य इतिहास तथा समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को हमें अपनी नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। ब्रह्माकुमारीज जैसी संस्थाएं मानवीय मूल्यों के संस्कार सिंचन से इस दिशा में अहम कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सहित सभी महानुभावों और दुनियाभर के प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज के अनुयायियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी संदेश को ध्यानपूर्वक सुना।

"आप" को एक और बड़ा झटका, पार्टी की गांधीनगर जिला प्रमुख समेत कई भाजपा में शामिल

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले एक ओर आम आदमी पार्टी (आप) जहां संगठन को मजबूत करने के प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी ओर उसके नेता और कार्यकर्ता पार्टी से किनारा कर रहे हैं कुछ दिन पहले उत्तर गुजरात के मशहूर गायक विजय सुवाला, अहमदाबाद शहर प्रमुख नीलम व्यास और सौराष्ट्र के बड़े हीरा कारोबारी महेश सवाणी ने आप से पार्टी को अलविदा कर दिया थी विजय सुवाला और नीलम व्यास भाजपा में शामिल हो गई लेकिन महेश सवाणी ने अब तक किसी पार्टी में जुड़ने के बारे में कुछ बोल नहीं रहे इन सबके बीच आज आम आदमी पार्टी की गांधीनगर जिला प्रमुख सावित्री शर्मा समेत अनेक नेता और कार्यकर्ताओं ने भाजपा का भगवा धारण कर लिया आप के गांधीनगर जिला की प्रमुख अपने समर्थकों के साथ भाजपा प्रदेश मुख्यालय कमलम पहुंचे, जहां डॉ. ऋत्विज पटेल ने सभी का पार्टी में स्वागत किया बता दें कि गुजरात में नगर निगमों के चुनाव में सूरत को छोड़ आम आदमी पार्टी को कहीं सफलता नहीं मिली पिछले साल गांधीनगर कॉर्पोरेशन के चुनाव में भी आम आदमी पार्टी के खाते में केवल एक सीट आई थी गांधीनगर कॉर्पोरेशन के चुनाव में करारी हार के बाद आप के ज्यादातर नेता और कार्यकर्ता निष्क्रिय हो गए थे इसी का असर था जो पहले विजय सुवाला, नीलम व्यास और महेश सवाणी ने आप से किनारा कर लिया आज आप की गांधीनगर जिला प्रमुख सावित्री शर्मा समेत उनके कई समर्थकों ने भाजपा जॉइन कर ली

सास के आतंक से विवाहिता ने खुद को जलाया

सास के साथ विवाद होने पर बहू ने खुद को जलाया

राजकोट, २० जनवरी।

शहर में और एक बार बहू ने ससुराल में खुद को जला देने का समय आया है। खुद को जलाने की वजह से बहू गंभीर रूप से घायल होने पर इसे उपचार के लिए राजकोट शहर की सिविल अस्पताल में स्थित बर्न्स विभाग में भेजी गई है। पूरे मामले की जानकारी सिविल अस्पताल चौकी द्वारा भक्तिनगर पुलिस को किए जाने पर तत्काल प्रभाव से भक्तिनगर पुलिस का काफिला भी सिविल अस्पताल में पहुंच गया था। मिली जानकारी के अनुसार, राजकोट शहर के भक्तिनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक बहू ने अपने ससुराल में खुद को आग लगाने का मामला सामने आया है।

मिली जानकारी के अनुसार, श्री नगर सोसाइटी शेरी नंबर एक में रहती जीतूबहन गोहिल नाम की बहू को अपनी ८५ वर्ष की बुजुर्ग सास के साथ विवाद होने पर बहू ने खुद को आग लगाने का मामला सामने आया है। जीतूबहन गोहिल दोपहर के बाद जबकि घर कोई भी मौजूद नहीं हो उस समय में अकेलेपन का लाभ उठाकर आत्महत्या का प्रयास किए जाने की जीतूबहन के पति सुरेशभाई ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया है।

पुलिस की प्राथमिक जांच में आत्महत्या का प्रयास करने वाली जीतूबहन के पति सुरेशभाई रिक्शा चलाकर अपना तथा परिवार का आर्थिक गुजारा करते है। जीतूबहन तथा सुरेशभाई को संतान में दो बेटे है। यह दोनों बेटे उनके से अलग रहते है।

हाल श्रीनगर सोसाइटी शेरी नंबर एक में जीतूबहन अपने पति सुरेशभाई और सास गंगाबहन तथा ससुर के साथ रहती है। अब ८५ वर्षीय सास गंगाबहन द्वारा जीतू बहन को नापसंद बोले जाने पर बहू को दुख हो गया और इसके बाद उसने खुद को आग के हवाले कर दिया। हाल भक्तिनगर पुलिस द्वारा पूरे मामले में आत्महत्या का प्रयास करने वाली जीतूबहन तथा उनके पति सुरेशभाई सहित परिजनों का निवेदन दर्ज करने का काम शुरू किया गया है।

केफ़िन टेक्नालॉजीज ने अपनी नई ब्रांड पहचान लॉन्च की

अहमदाबाद : भारत की एक सुस्थापित एसएएएस कंपनी केफ़िन टेक्नालॉजीज प्रायवेट लिमिटेड (ठकेफ़िनटेकठ) ने अपने कॉर्पोरेट लोकाचार को प्रतिबिंबित करने वाली अपनी नई कॉर्पोरेट ब्रांड पहचान लॉन्च करने की घोषणा की है।

विश्वास, तकनीक और वैचारिक नेतृत्व वाले मूलभूत सिद्धांतों के दम पर केफ़िनटेक के रूपांतरण एवं विकास को एक कंपनी का प्रतीक बनाने के लिए इस नई ब्रांड पहचान को स्वदेशी ढंग से डिजाइन किया गया है। ट्रिस्केलियन वाला रूपांकन उल्लिखित सिद्धांतों के एक ट्राइफेक्टा का प्रतिनिधित्व करता है, जो रूपांतरण में परिणत होता है। यह चक्रीय समरूपता का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे आमतौर पर तीन इंटरलॉकिंग सर्पिलाकारों द्वारा दर्शाया जाता है।

लोगो में समाविष्ट किया गया गोल्डन रेशियो यह सुनिश्चित करता है कि डिजाइन की तीनों भुजाएं इसके संचार स्तंभों के बीच एक पूर्ण समरूपता और परस्पर निर्भरता को दर्शाने के लिए आनुपातिक रूप से इसका अनुसरण करेंगी। 'के' अक्षर गतिमान इकाई वाली अंतर्जात ऊर्जा की प्रतीक काइनेटिक इनर्जी का प्रतिनिधित्व करता है। 'एक्सपीरियंस ट्रांसफॉर्मेशन' वाली टैगलाइन टेकफ़िन कंपनी के रूप में केफ़िनटेक की भूमिका को सुदृढ़ बनाती है।

केफ़िन टेक्नालॉजीज प्रायवेट लिमिटेड के सीईओ श्रीकांत नडेला ने कहा, "वित्तीय सेवाओं के प्रतिभागियों द्वारा भरोसेमंद और विचारशील नेतृत्व के साथ क्यूरेट की गई डिजिटल-रूपांतरणकारी तकनीकों को अपनाया जाना न्यू नॉर्मल को पुनर्परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हमारी पहचान की स्थिति हमारे संगठन के उद्देश्य, रणनीतिक दिशा और मिशन के अत्यंत महत्वपूर्ण वित्तीय बुनियादी ढांचे वाले समाधानों को सबसे पसंदीदा और अग्रसक्रिय समाधान प्रदाता के रूप में बदलने की मजबूत निष्पादन क्षमताओं को दर्शाती है। नया लोगो नित्य परिवर्तन और विकास के अंतहीन चक्र का प्रतीक है।"

प्रधानमंत्री की दूरर्शिता से कुशल युवा संस्कृति के निर्माण का नेतृत्व कर रहा है गुजरात: मुख्यमंत्री

- आईआईटीराम का चौथा दीक्षांत समारोह: 147 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले तीन भवनों का हुआ भूमिपूजन

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने साफ तौर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से गुजरात बुनियादी ढांचा विकास (इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट) की समयानुकूल मांग के अनुरूप कुशल युवा संस्कृति के निर्माण का नेतृत्व कर रहा है। यह बात उन्होंने गुरुवार को अहमदाबाद स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी, रिसर्च एंड मैनेजमेंट (आईआईटीराम) के चौथे दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने वर्चुअल तरीके से इस दीक्षांत समारोह में शिरकत करते हुए 370 से अधिक छात्रों को उपाधि और विशेषज्ञता प्राप्त 20 छात्रों को पदक प्रदान किए। उन्होंने इस संस्थान के परिसर में कुल 147 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले छात्रावास भवन, अकादमिक ब्लॉक और फैकल्टी हाउसिंग का भूमिपूजन भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गांधीनगर से किया। शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी, यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ गवर्नेंस के चेयरमैन सुधीर मेहता और प्राध्यापकों सहित उपाधि प्राप्त करने वाले युवा छात्र इस समारोह में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उपाधि प्राप्त करने वाले युवाओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि गुजरात की युवा शक्ति को वैश्विक युवा बनाने की नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता से राज्य को सेक्टोरल यूनिवर्सिटियों की नई सौगात मिली है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि रक्षाशक्ति यूनिवर्सिटी, रेलवे यूनिवर्सिटी, मरीन यूनिवर्सिटी, पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी, स्टार्टअप यूनिवर्सिटी और नेशनल फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी सहित जैसी अनेक यूनिवर्सिटियों में अब आईआईटीराम का नाम भी जुड़ गया है। पटेल ने 21वीं सदी को ज्ञान-विज्ञान की सदी करार देते हुए कहा कि भारत इस सदी में विश्व गुरु बनने के लिए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में तैयार है, जबकि गुजरात वैश्विक ज्ञान देने वाली ऐसी यूनिवर्सिटियों के जरिए उसका केंद्र बिंदु बनने को प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि देश में जब बुनियादी ढांचा विकास की बातें होती थीं, तब आज से एक दशक पहले श्री नरेन्द्र मोदी ने अनोखी दूरदर्शिता से इस क्षेत्र में योगदान देने वाले युवा गुजरात में तैयार करने के लिए आईआईटीराम का बीजारोपण किया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में समग्र बुनियादी ढांचे के विकास के लिए नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन प्रोजेक्ट और मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान की पहल की है। उन्होंने कहा कि इस यूनिवर्सिटी से प्राप्त ज्ञान से गुजरात का युवा ऐसे क्षेत्रों में भी अपना योगदान दे सकता है। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि 21वीं सदी के विकसित भारत में युवाओं को यह तय करना होगा कि वे बतौर युवा शक्ति को खुद को कहां देखना चाहते हैं और फिर उस दिशा मे कार्यरत होने का संकल्प करें। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में इस युवा शक्ति के लिए मौजूद अनेक अवसरों का जिक्र करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि युवाओं के सामर्थ्य से 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प साकार होगा। भूपेन्द्र पटेल ने यह भी कहा कि दुनिया की मांग को परखने के बाद गुजरात में हमने ऐसी यूनिवर्सिटियां और संस्थान स्थापित किए हैं कि गुजरात का युवा दुनिया के साथ न केवल बराबरी कर सके बल्कि उतना सक्षम बने कि आंख से आंख मिलाकर बात भी कर सके। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में निहित समग्र शिक्षा विकास के लक्ष्य के अनुरूप गुजरात ने रोडमैप तैयार किया है। मुख्यमंत्री ने उपाधि प्राप्त करने के बाद समाज में पदार्पण कर रहे युवाओं से राष्ट्र और राज्य को गौरव दिलाने वाले राष्ट्रहित के कार्य करने और जनकल्याण की भावना को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का भी अनुरोध किया।

शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने आईआईटीराम के चौथे दीक्षांत समारोह में वर्चुअल तरीके से भाग लेते हुए उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बेहतर करियर के जरिए समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में छात्रों का योगदान मौजूदा समय की मांग है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य के युवाओं को विश्वस्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराने के मकसद से राज्य में राष्ट्रीय स्तर के अनेक संस्थान कार्यरत किए थे। जिसके अंतर्गत इंस्टीटयूट ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड मैनेजमेंट (आईआईटीराम) की स्थापना देश और दुनिया में उद्योग, शहरी एवं संशोधन संस्थानों के साथ सहयोग कर भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर में अपेक्षित परिवर्तन को समर्थन देने के लिए की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में संस्था में अनेक नवीन पाठयक्रमों के साथ संशोधन के आयाम भी स्थापित किए जा रहे हैं। वाघाणी ने कहा कि आईआईटीराम में गुजरात सरकार के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस', ई-यंत्र लेबोरेटरी, स्मार्ट क्लास रूम और वाईफाई परिसर जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यही नहीं, छात्रों को अनुसंधान के लिए प्रेरित करने को तथा विभिन्न विषयों पर अनुसंधान के लिए आईआईटीराम ने अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से सहयोग किया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि संस्था में शैक्षणिक श्रेष्ठता को प्रोत्साहित करने के लिए स्लोवेनिया की ल्यूब्लजाना यूनिवर्सिटी, जापान की हिरोशिमा यूनिवर्सिटी, जर्मनी की जेकॉब्स यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रेमेन, यूके की लोफबोरो यूनिवर्सिटी, फ्रांस के तुलोज की आईसीए, ऑस्ट्रेलिया की बर्न यूनिवर्सिटी और कर्टीन यूनिवर्सिटी तथा अमेरिका के टेक्सास स्थित यूटीआरजीवी के साथ सहयोग किया गया है।

साबरमती व कांकरिया रेलवे हेल्थ यूनिट पर 15-18 आयु वर्ग के रेलकर्मचारियों के बच्चों के लिए टीकाकरण कैम्प का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) कोविड-19 महामारी के खिलाफ इस लड़ाई में पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के डीआरएम तरुण जैन द्वारा अपने रेल कर्मियों और उनके परिजनों को इस महामारी से सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है। इसी दिशा में सभी रेल अधिकारी व कर्मचारी एवं उनके 15 से 18 वर्ष के बच्चों को इस महामारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से रेलवे हेल्थ यूनिट,कांकरिया एवं रेलवे डिस्पेंसरी,साबरमती में (दो दिन) दिनांक 21 जनवरी 2022 को 09:30 बजे से 16:00 बजे तक तथा दिनांक 22 जनवरी 2022 को 09:30 बजे से 13:00 बजे तक अहमदाबाद मुंसिपल कॉरपोरेशन की मदद से वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया है।

खाकी वर्दी में कोविड और ट्रैफिक नियमों को तार तार कर रहे तीन पुलिसकर्मी सस्पैंड

कच्छ (ईएमएस) जिले के गांधीधाम ए-डिवीजन पुलिस थाने में सेवारत तीन पुलिसकर्मियों को कोविड और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करना महंगा पड़ गया खाकी वर्दी में चलती कार में बगैर मास्क और सीट लगाए बगैर संगीत झूम रहे तीन पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षक ने सस्पैंड कर दिया है दरअसल घटना का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर नियमों को लेकर सवाल उठने लगे थे। सामान्य तौर पर ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले लोगों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाती है, लेकिन पुलिस खुद नियमों को तोड़े तो उन्हें भी सख्त कार्यवाही की सामना करना पड़ता है। वायरल वीडियो में खाकी वर्दी में चार पुलिसकर्मी कार में एक गीत पर झूमते नजर आ रहे है। इन चारों पुलिसकर्मियों के मास्क लगाना तो दूर चलती कार में सीट बेल्ट तक नहीं बाधा था। यह वीडियो वायरल होने पर ईस्ट कच्छ एसपी ने ए डीविजन के तीन पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया है। इस मामले में ईस्ट कच्छ एसपी मयूर पाटील ने बताया कि सोशल मीडिया में चार पुलिसकर्मी कार में पुलिस वर्दी में होने के वावजूद गीत पर झूम रहे होने का वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में ए-डीविजन के पुलिसकर्मी जगदीश खेताभाई सोलंकी, राजा महेन्द्र हिरागर और हरेश ईश्वरभाई चौधरी ने पुलिसवर्दी में होने के बावजूद सीट बेल्ट नहीं पहना था। इस तरह ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर उन्हें तत्काल सस्पेंड कर दिया गया है।

डम्पर की चपेट में आई बाइक चालक की घटनास्थल पर मौत, डम्पर का ड्राइवर गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) शहर के डिंड